गोलालारीय समाज का मुखपत्र

RNI No. MPHIN/2008/26873
No. MP/ICD/1252/2012-2014

golalariya_darshan@yahoo.in
गोलालारीय दर्शन यहां भी देख सकते है –
www.golalariya.com

मासिक
गोलालारीय दर्शन

अपनों के साथ अपनी बातें

जो भरा नहीं हैं भावों से, बहती जिसमें रसधार नहीं। हृदय नहीं पत्थर हैं वो, जिसे समाज से प्यार नहीं।

वर्ष : 5 | अंक : 5 | पृष्ठ संख्या : 10 | माह – 15 अक्टूबर 2013 | सहयोग राशि : 100 रु.

संपादकीय

श्रेय की होड़ से टूटती एकता

आजकल अधिकांश समाजों में मंदिर या संगठन के विवाद बहुत अधिक देखने, सुनने में आ रहे है, विवादों की दीमक जैन समाज को शायद कुछ ज्यादा ही लग गई है, अधिकांश मंदिरों या सामाजिक संस्थाओं में नित नये विवाद सामने आ रहे है जिससे सामान्य जैन सदस्य आहत है जैन समाज की पहचान सभ्य एवं सुशिक्षित समाज के रुप में सदैव रही है।

पद की लालसा, लोभ, आडम्बर (दिखावा) में फंसकर अधिकांश श्रावक पूज्य आचार्यों, मुनियों की गरिमा के साथ साथ समाज व परिवार को हानि पहुंचा रहे है जिससे सदस्यों के मन में वैमनस्य का भाव पैदा हो, समाज अप्रत्यक्ष रुप से विघटित हो रहा है साथ ही हम सभी जग हंसाई के पात्र भी बन रहे है। एक कहानी आप सभी ने सुनी होगी एक शिकारी ने जंगल में पक्षियों को पकड़ने के लिए जाल फैला रखा था जिसमें कुछ पक्षी फंस गए, फंसे हुए पक्षियों ने विचार करा और एकता के बल पर पूरा जोर लगाकर जाल सहित आसमान में उड़ चले। एकता के बल पर ही असंभव कार्य को उन नन्हें पक्षियों ने संभव कर दिखाया। जवान शिकारी हाथ मलता बैठा रहा गया। कहानी यहां खत्म नहीं हुई बल्कि शुरु हुई है। तभी एक बुजुर्ग शिकारी ने यह सब देखकर जवान शिकारी को कहा कि दौड़कर इनका पीछा करो क्योंकि इनकी एकता ज्यादा समय तक नहीं चलेगी क्योंकि सभी पक्षी एक ही जाति के है और जाति संघर्ष क्या होता है यह मैं अच्छी तरह से समझता हूँ । कुछ समय पश्चात सचमुच ऐसा ही हुआ कुछ पक्षी अपने साथी पक्षियों की जान बचाने का श्रेय लेने लगे तभी दूसरे पक्षियों ने इसका विरोध करना शुरु कर दिया । इस संघर्ष के कारण उनकी शक्ति कमजोर हो गई इनके संघर्ष को देखकर कुछ पक्षी तटस्थ होकर अपना योगदान देना ही भूल गए, नतीजा यह हुआ कि सभी पक्षी जाल सहित जमीन पर आ गिरे और शिकारी का काम बन गया। अब आप ही सोचे कि दोष किसका है? जिसने श्रेय के लिए एकता तोड़ी या जिसने श्रेय लेने वालों का विरोध करा या जो तटस्थ होकर सबकुछ देखते रहे।

श्रेय लेने की चाह परिवार, समाज व संस्था को तोड़ देती है जो सफलता एकमत या एकजुट होकर प्राप्त होती है उसके लिए व्यक्तिगत श्रेय लेने की लालसा से बचना चाहिए। जो सदस्य अपने कृत्यों से परिवार, समाज व संस्था के गौरव को हानि पहुँचाते है या एकता खंडित करते है उन्हें उस परिवार या संस्था से हटाकर एकता को कायम रखना चाहिये क्योंकि यह मानव स्वभाव ही है जिस तरह फलों की टोकरी में से सड़े फल को हटाया जाता है, शरीर का कोई भी अंग चाहे कितना भी जरुरी हो यदि मृत्यु का कारण बने तो उसे काटकर अलग कर दिया जाता है, उसी तरह अब समय आ गया है कि जिस व्यक्ति के कारण समाज की एकता व शक्ति खंडित हो रही हो, तो चाहे वह किसी भी पद पर कितना बड़ा भी क्यों न हो उसे हटाकर समाज की एकता को बनाया जाना चाहिए।

मोर पंख जीव दया का अंश

पिच्छी जैनादर्श में एक पूज्यनीय वस्तु है। अनादि काल से चली आ रही दिगम्बर मुनियों की परंपरा मे पिच्छी कमंडल ही ऐसे दो उपकरण है जो दीक्षा ग्रहण करने के पश्चात पूज्य मुनिवर, आर्यिका, ऐलक एवं क्षुल्लक महाराज की चर्या हेतु परमावश्यक है। ऐसे में सरकार का मोर पंख के उपयोग पर प्रतिबंध लगाने का प्रस्ताव हमारे जैन परंपरा के आधार को झकझोरने वाला है। जैन मुनि जो अहिंसा परमोधर्म को ही अपने जीवन का उद्देश्य बनाते हैं उनके हाथ से कोई भी ऐसा कार्य किया ही नहीं जा सकता जिससे किसी जीव को थोड़ा भी कष्ट हो। वे तो तिर्यच जीवों की सुरक्षा के लिये मोर पंख की पिच्छी का उपयोग करते हैं तो क्या कोई भी बुद्धिमान व्यक्ति ये कल्पना भी कर है कि वे मोरपंख प्राप्त करने के लिए मोर जैसे पंचइंद्रीय जीव को नुकसान पहुंचा सकते हैं या उनको नुकसान पहुंचाकर मोर पंख लाने के लिये किसी श्रावक को प्रेरित भी कर सकते है। कदापि नहीं, 'भूतो न भविष्यति'। वास्तव में मोरों के जीवन चक्र में प्राकृतिक रुप से वर्ष में एक बार वे अपने पंख गिराते हैं और उन्हीं पंखों को श्रावक एकत्रित करके पिच्छी बनाते हैं और पूज्य गुरुवरों के हाथों में जीव दया के साधक उपकरण के रूप में देते है।

वास्तव में मोर पंख इतने कोमल होते हैं कि बारीक से बारीक जीव भी उनके द्वारा हटाये जाने पर सुरक्षित रहते हैं और दूसरे मोर पंख जीवाणु रहित होते हैं अर्थात् वे नमी से प्रभावित नहीं होते एवं कभी गीले हो जाने पर भी उनमें कोई फफूंद या जीवाणु उत्पन्न नहीं होते।

भारतीय संविधान के प्रथम पृष्ठ पर जैन धर्म के प्रेरक सूत्र 'परस्परोग्रहो जीवानाम्' को चित्र सहित अंकित किया गया है अर्थात जैन धर्म को जीव दया का आधार माना गया है तो जिस धर्म के प्रेरक सूत्र को संविधान ने पहला वाक्य बनाया वही संविधान उस धर्म के सिद्धांतों के विपरीत कैसे जा सकता है। जैन धर्म में पंच परमेष्ठी ही पूजे जाते हैं पहले दो परमेष्ठी अरिहंत और सिद्ध को छोड़कर बाकी तीन परमेष्ठी आचार्य, उपाध्याय एवं साधु इस धरती पर जीवंत विद्यमान है और पिच्छी उनके हाथों का अनिवार्य यंत्र है उसके बिना वे न आहार ग्रहण करते न विहार करते है। जैन सिद्धांतों के अनुसार यदि साधु अपनी चर्या के पालन में विघ्न देखते है और जैन आगम के अनुसार चर्या पालन में असमर्थ होते हैं तो समाधि तक ग्रहण कर लेते हैं, तो क्या केन्द्र सरकार जैन मुनियों की समाधि का कारण बनना चाहेगा? और क्या जैन श्रावक ऐसा होने देंगे?

जो केन्द्र सरकार नित नये आधुनिक बूचड़ खानों की अनुमति प्रदान कर लाखों पशुओं का वध करवाने की अनुशंसा करती है वो मोर पंख के उपयोग में प्रतिबंध लगाये कितना हास्यास्पद है। जो सरकार धर्म के नाम पर ऐसे कृपाण रखने की छूट दे जो वक्त आने पर किसी की हत्या का कारण बन सकता है वह मोर पंख जैसी वस्तु के उपयोग पर प्रतिबंध लगाकर

अनैतिक कृत्य कैसे कर सकती है। जो सरकार धार्मिक अधिकारों का सहारा लेकर त्रिशूल, भाले, तलवार आदि के प्रदर्शन की अनुमति दे सकती है वो मोर पंख के उपयोग पर प्रतिबंध कैसे लगा सकती है।

•जैन धर्म अखिल ब्रम्हाण्ड के समस्त जीवों को 'जीयो और जीने दो' की शिक्षा देता है उसकी दृष्टि में सब एक बराबर है। ऐसा नहीं कि मोर राष्ट्रीय पक्षी है तो संरक्षित है और मुर्गियों, बतखों, मूक पशुओं निरीह मछलियों को सरेआम काट डालो, कोई प्रतिबंध नहीं। इंसानों में आरक्षण के पश्चात अब जानवरों में आरक्षण की प्रक्रिया प्रारंभ करने जा रही है केन्द्र सरकार की नीतियां।

हम तो उस धर्म के अनुयायी है जो प्राण देते है परंतु किसी जीव की हिंसा से बने औषधि तक का उपयोग नहीं करते हैं तो मूर्ख से मूर्ख व्यक्ति भी नहीं सोच सकता कि जैन धर्म गुरुओं के हाथों में कोई ऐसी वस्तु हो सकती है जो जीव हिंसा के माध्यम से प्राप्त की जाती है। जीव तो जीव जो धर्म गुरु घास जैसे एक इंद्रिय वनस्पति के ऊपर तक चरण नहीं रखते, उन्हें ऐसे प्रतिबंधों से प्रभावित कर शिक्षा देने की सोचने वाले की मानसिकता पर तरस आता है।

हां यह अलग बात है कि कुछ असामाजिक तत्व इसकी आड़ लेकर मोरों की हिंसा करते हों, तो ऐसे अपराधियों को कड़ी से कड़ी सजा दी जानी चाहिए। देश के ऐसे कर्णधारों से अपील है कि तुच्छ मानसिकता से ऊपर आकर जैन धर्म के सिद्धांतों से कुछ ग्रहण करें, जो पूर्णत: वैज्ञानिक धर्म है। इसकी एक नहीं हजारों बार पुष्टि हो चुकी है। जैन धर्म में न आडम्बर है न कर्मकाण्ड है, है तो सिर्फ आत्मशुद्धि और जीव दया । तो खुली आंखों से सोने वाले जागो, अन्यथा यह जैन समाज क्षत्रिय राजाओं के वंशज है जो शौर्य के लिये जाने जाते है और अपनी परंपरा के लिये अपने अधिकारों को प्राप्त करने की ताकत रखते है। परंतु सर्वप्रथम यही मानते है कि – **'अहिंसा परमो धर्म'**

–श्रीमती अर्चना जैन, सदस्य किशोर न्याय बोर्ड, मंडला

विरोध स्वरुप अपने पत्र व ईमेल निम्न पते पर भेजे –
Shri V.S.P. Singh, Joint Director Rajya Sabha Directorate
Room No. 142 M, Sansdiya Soudh, New Delhi 110001
Email : rscst@sansad.nic.in

दिसम्बर 2013 का अंक 'वैवाहिकी विशेषांक'

गोलालारीय दर्शन के प्रत्येक अंक में विवाह योग्य प्रत्याशियों का संक्षिप्त परिचय निरंतर प्रकाशित होता रहा है। समाजजन अपने बच्चों के संबंधों के लिए आवश्यक जानकारी आसानी से प्राप्त कर सके । गत 4 वर्षो से यह कार्य 'गोलालारीय दर्शन' पत्रिका सफलतापूर्वक निभा रहा है। पत्रिका के माध्यम से 35–40 संबंध हो चुके है। हमारे प्रतिनिधियों की भावना के अनुरुप हम आगामी अंक जो दिसम्बर 2013 को प्रकाशित होगा उसे **वैवाहिकी विशेषांक (प्रत्याशियों का पूर्ण विवरण चित्र सहित)** के रुप में प्रस्तुत कर रहे है। जिसमें निर्धारित प्रारुप में प्रत्याशी का विवरण, 25/11/2013 सशुल्क स्वीकार किया जायेगा। प्रत्येक प्रत्याशी 150/–रु. का शुल्क निर्धारित किया गया है । इंटरनेट के माध्यम से भेजी गई प्रविष्टियों के साथ बैंक में जमा राशि की रसीद की कॉपी भी मेल करें। जिसमें प्रत्याशी के पते पर इस अंक की दो प्रतियां कोरियर के माध्यम से भेजी जावेगी। अधिक जानकारी एवं बायोडाटा आप हमारी पत्रिका के स्थानीय प्रतिनिधियों से प्राप्त कर बायोडाटा सशुल्क जमा करा सकते है –

Bank Details : SBI Bank A/c - 63048875855 IFSC: STIN0003134

आगामी अंक में जैन तिथि दर्पण प्रकाशित किया जावेगा।

गोलालारीय दर्शन समाज के 4500 परिवारों तक नियमित भेजा जा रहा है। संभव है डाक व्यवस्था या आपका पता सही न होने के कारण पत्रिका आपको व आपके रिश्तेदारों तक पत्रिका नहीं पहुंचती है तो उनका नाम व पता पोस्टकार्ड पर लिखकर पत्रिका कार्यालय पर भेज देवें या 9424013136 पर दोप. 4 से रात्रि 10 तक संपर्क कर सकते है या अपने पता का एसएमएस कर सकते है।

परामर्श प्रमुख

श्री जिनेन्द्रकुमारजी जैन
अहमदाबाद

श्री कैलाशचंदजी जैन
झाँसी

डॉ. श्रेयांस कुमार जैन, बड़ौत, 9837043221
डॉ. कपूरचंद जैन, खतौली, 9412678256
प्रधान संपादक
राजेन्द्र जैन ''बागो'', 9424013136
सह संपादिका
श्रीमती अर्चना अजय जैन, 9827796013
श्रीमती अनुपमा रजनीश जैन, 9009066884
कोषाध्यक्ष –
सुधेश कुमार जैन, 9827254111
प्रबंध संपादक
राजेन्द्र कुमार जैन, सायकलवाले, 9425353972
खुशालचन्द जैन, 9302123879
कोमलचंद जैन, 9329524227
(संयोजक एवं प्रकाशक)
बाहुबली जैन, 9827247847

परम संरक्षक
श्री सुभाषचंद जैन, बोरीवली, मुंबई

संरक्षक
डॉ. प्रकाशचंद जैन, सागर

श्री अनिलकुमार जैन
छतरपुर
9425879777

श्री विशाल जैन
पवा
9453167716

यदि आपको गोलालारीय दर्शन पत्रिका प्राप्त नहीं हो रही है तो अपने शहर के क्षेत्रीय प्रतिनिधियों से संपर्क कर पत्रिका प्राप्त करें।

शेष क्षेत्रीय प्रतिनिधियों की सूची आगामी अंकों में...

सदस्यता शुल्क

शिरोमणि संरक्षक (अ.जा.)	– 21000/–
परम संरक्षक(अ.जा.)	– 11000/–
संरक्षक (अ.जा.)	– 5100/–
विशेष सहयोगी (अ.जा.)	– 2100/–
आजीवन शुल्क	– 1100/–
पंचवर्षीय सहयोग	– 250/–

आप गोलालारीय दर्शन में सहयोग राशि स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के बैंक खाता क्रं. 63048875855 में जमा कर स्लीप की फोटोकॉपी कार्यालय पर अवश्य भेंजे ताकि सहयोग राशि की रसीद आपको भेज सके ।

विज्ञापन शुल्क

अंतिम पेज कलर	6000/–
फुल पेज कलर (अंदर)	5000/–
फुल पेज (श्वेतश्याम)	3000/–
1/2 पेज कलर	3000/–
1/4 पेज कलर	1500/–
मांगलिक बधाई फोटो सहित	1000/–
शोक संदेश फोटो सहित	500/–
बॉयोडाटा फोटो सहित	150/–

क्षमा धारण करना ही परम धर्म है

विशाल जैन पवा, तालबेहट (ललितपुर)। दशलक्षण पर्व में जिन मेंदिरों में निरंतर धर्म की प्रभावना रही जिसमें धर्मावलम्बी कठिन तप के द्वारा प्रभु की भक्ति, आराधना करते रहे। पर्व समापन पर सिद्ध क्षेत्र पावागिरीजी में क्षमावाणी महापर्व मनाया गया। जहां सभी ने गतवर्ष में हुई गलतियों की क्षमा याचना मांगी। प्रात: अभिषेक पूजन के उपरांत अतिशय युक्त चमत्कारी बाबा मूलनायक भगवान पार्श्वनाथ स्वामी का मस्तिकाभिषेक एवं आत्मकल्याण और विश्वशांति की मंगल भावना के साथ शांतिधारा का आयोजन किया गया। दोपहर को विमानोत्सव में युवा वर्ग सत्य अहिंसा के नारे लगाते हुए एवं महिलाएं मंगल गीत गाते हुए चल रही थी। सबसे आगे भगवान महावीर स्वामी वं आचार्य विद्यासागरजी महाराज के चित्रों की झांकी उसके पीछे धर्म ध्वजा लेकर विनोद बसार एवं मां जिनवाणी को लेकर श्री प्रसन्न जैन बग्गी में चल रहे थे। पर्व के दस दिनों तक प्रात: नित्य पूजा अर्चना के साथ रात्रि में मंगल आरती पश्चात शास्त्र प्रवचन में गौरव भैय्या ने धर्मसभा को संबोधित किया उसके पश्चात सांस्कृतिक कार्यक्रम में विद्यासागर पाठशाला के द्वारा भजन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। जिसमें प्रतिभागियों ने भजनों की सुंदर प्रस्तुति दी। इस अवसर पर पं. विजय कृष्ण, शिखरचंद, राजकुमार, विनोद बैरागी, उत्तमचंद, आनंद जैन, सुमत कुमार, प्रसन्न जैन, महेन्द्र जैन, प्रकाशचंद्र, अभिषेक जैन, अनिलकुमार, प्रवीणकुमार, सौरभ, संदीप, नीलेश, रवि, पुष्पेन्द्र, सुरेन्द्र, नरेन्द्रकुमार, जयकुमार एडव्होकेट, सुकमाल, देवेन्द्र जैन, राकेश, अखलेश जैन, आदिश, सुधीर, मुकुल, राजकुमार, विशाल पवा आदि उपस्थि रहे। कार्यक्रम का संचालन ज्ञानचंद्र पुरा एवं आभार व्यक्त प्रेमचंद नयाखेड़ा और जयकुमार कंधारी ने संयुक्त रुप से किया।

दशलक्षण पर्यूषण महापर्व एवं विश्वमैत्री क्षमावाणी पर्व संपन्न

राजेश जैन, झाँसी। दशलक्षण पर्यूषण महापर्व आज विश्वमैत्री क्षमावाणी के साथ संपन्न हुआ। इन दस दिनों तक ज्ञान, संस्कार एवं दस धर्मो की गंगा बहती रही एवं आचार्य श्री विनिश्चयसागरजी द्वारा ध्यान शिविर लगाया गया। मैनपुरी उ.प्र. से पधारें विद्वान पं. शिवचरणलालजी जैन ने सारे धार्मिक कार्यक्रमों को विधि विधान से संपन्न कराया। यह झाँसी जैन समाज का परम सौभाग्य है कि अभी तक के इतिहास में प्रथम बार झाँसी में दो आचार्य महाराज के चातुर्मास हो रहे हैं। प्रथम चातुर्मास आचार्य चन्द्रसागरजी ससंघ करगुवांजी में एवं आचार्य श्री विनिश्चय सागरजी ससंघ 'सप्तऋषि' चातुर्मास शहर में हो रहा है। इस दौरान आचार्य श्री विनिश्चयसागरजी ने दो सेमिनारों का आयोजन कराया। प्रथम जैन युवा संस्कार संवर्धन सेमिनार इन विषयों पर आयोजित किया गया – * युवाओं की वर्तमान में सोच का विचार * वर्तमान परिवेश एवं वेशभूषा * युवाओं का समाज के प्रति कर्त्तव्य * जैन दर्शन में संस्कृति व अनुशासन * माता पिता के प्रति दायित्व * परिवार में सांमजस्य कैसे आदि ज्वलंत विषयों पर बाहर से पधारे विद्वान एवं प्रशिक्षकों सहित युवाओं ने सेमिनार में बढ़चढ़कर हिस्सा लिया। इसी प्रकार दूसरा सेमिनार ''जैन दाम्पत्य संस्कार सृजन'' का किया गया। इस सेमिनार में युवाओं के साथ साथ सैकड़ों दम्पत्तियों ने भाग लेकर अपनी जिम्मेदारी एवं कर्त्तव्यों के साथ परिवार मे सुख शांति कैसे स्थापित हो उसको भलिभांति जाना। यह दोनों सेमिनार आने वाले समय में झाँसी जैन समाज के लिये मील के पत्थर साबित होंगे क्योकि पूजा शिविर के अलावा इस तरह के सेमिनारों से समाज की दशा एवं दिशा निश्चित रुप से बदलेगी। आचार्य श्री विनिश्चसागरजी के सानिध्य एवं श्री प्रदीप जैन 'आदित्य', केन्द्रीय ग्रामीण विकास राज्य मंत्री भारत सरकार के मुख्य आतिथ्य में विश्व मैत्री दिवस क्षमा वाणी पर्व मनाया गया। एक विशाल धर्मसभा को संबोधित करते हुए आचार्यश्री ने अपनी दिव्य देशना में कहा कि क्षमा पर्व मनाने से अपने भावों में निर्मलता आती है एवं आपस में वात्सल्य की सुगंध महकती है। आचार्यश्री ने कहा कि जीवन में क्रोध, मान, ईर्ष्या, लोभ कम हो जाता है एवं क्षमा धर्म प्रारंभ हो जाता है।

इस अवसर पर प्रदीप जैन आदित्य ने कहा कि दस धर्मो को स्वीकार करना ही क्षमा धर्म है एवं विचार ब्रह्माण्ड की सबसे बड़ी शक्ति है और क्षमा धर्म व्यक्ति के अंतरंग को सरल बनाने की प्रक्रिया है उन्होंने कहा कि अपने कर्मों की निर्जरा करके आत्मकल्याण की ओर बढ़े। समाज के प्रतिभावान बच्चों को 'गोलालारीय दर्शन' परिवार की ओर से प्रशस्ति पत्र भी भेंट किये गये। इस मौके पर आचार्यश्री की मंगल प्रेरणा से प्रकाशित साहित्य का विमोचन केन्द्रीय मंत्री एवं समाज के श्रेष्ठीजनों द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मंगलाचरण सुश्री महिमा जैन एवं आभार प्रवीण जैन ने व्यक्त किया।

अमेरिका में भी धूमधाम से मनाया गया दशलक्षण पर्व

आशीष जैन, वाशिंगटन। जैन सोसायटी ऑफ मेट्रोपोलियन ऑफ वाशिंगटन के जैन समुदाय के सदस्यों द्वारा हर्षोल्लास पूर्वक दशलक्षण पर्व मनाया गया। जैन सेंटर में साधर्मी सदस्यों ने सपरिवार प्रत्येक दिन अभिषेक, पूजा एवं प्रवचन में बढ़ चढ़कर भाग लिया। इस सेंटर में दिगम्बर एवं श्वेताम्बर समाज के 600 से अधिक परिवार के लगभग 1100 सदस्य जुड़े है। विडियो कान्फ्रेंसिंग के द्वारा भारत की स्वानुभूति जैन ने बच्चों एवं बड़ो को जैन धर्म के सिद्धांतों की जानकारी दी गई, साथ ही अनुभवी सदस्यों के साथ बच्चों को अभिषेक एवं पूजा पद्धति का शिक्षण भी प्रदान किया गया। संध्याकालीन सत्र में आरती पश्चात प्रवचन माला मे बारह भावना के भाव को अपने जीवन में अंगीकार कर जीवन को सरल बनाने की शिक्षा दी। पर्व समापन पर क्षमावाणी पर्व आयोजित कर सदस्यों ने क्षमायाचना की।

आचार्य श्री ज्ञानसागरजी महाराज पर मुद्रित डाक टिकट का अनावरण

प्रकाशचंद जैन, नागपुर। रामटेक में प्रात: स्मरणीय आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के सानिध्य में दिनांक 15 सितम्बर को विशाल जनसमुदाय के समक्ष परम पूज्य आचार्यश्री ज्ञानसागरजी महाराज पर मुद्रित डाक टिकट का अनावरण किया गया। सभा में उपस्थित जनसमुदाय ने करतल ध्वनि से भारत सरकार के इस कार्य की सराहना कर धन्यवाद दिया।

अहमदाबाद की जैन युवा समिति के साथियों द्वारा समग्र गोलालारीय समाज को एक छत के नीचे आने का अद्भुत प्रयास किया गया है www.jaingolalariya.org के द्वारा संपूर्ण विश्व में गोलालारीय परिवार के सदस्य अपनी जानकारी इसमें दर्ज करा सकते है एवं दर्ज जानकारियों का अवलोकन भी कर सकते है। जैसे कि परिवार अपने फोटो, गौत्र, रक्त समूह एवं विवाह योग्य युवक युवतियों की जानकारी प्राप्त की जा सकती है।

15 वर्षों के बाद नगर में हो रहा मुनिश्री का चातुर्मास

प्रभात जैन, डिण्डौरी। 15 वर्षों के अंतराल के बाद डिण्डौरी नगर में 108 श्री विद्यासागरजी महाराज के परम प्रभावक शिष्य मुनिश्री निर्णयसागरजी महाराज के चातुर्मास का परम सौभाग्य नगर के जैन समाज को प्राप्त हुआ है। डिण्डौरी समाज में बड़ा उत्साह है। मुनिश्री द्वारा प्रतिदिन सुबह रत्नकरण्ड श्रावकाचार्य एवं दोपहर तत्वार्थ सूत्र की कक्षा लग रही है तथा शाम को प्रतिदिन आचार्य भक्ति का कार्यक्रम हो रहा है।

पर्यूषण पर्व पर हुए मनमोहक कार्यक्रम – मुनिश्री के सानिध्य में पर्यूषण पर्व पर 10 दिन तक श्रावक संस्कार शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 100 शिविरार्थियों ने भाग लिया आत्मशुद्धि के महापर्व में समाज के लोगों ने धर्म लाभ लिया। अंतिम दिन मुनिश्री के सानिध्य में बहुत ही व्यवस्थित एवं मनमोहक विमान यात्रा का जुलूस नगर में निकाला जिसमें बैण्ड पार्टी एवं उसके पीछे 21 बच्चे केशरिया ध्वज लिये चल रहे थे, बाद में मुनिश्री एवं श्रीजी पालकी एवं पीछे धोती दुपट्टे में सभी शिविरार्थी तथा पीछे पीली साड़ियों में महिलायें चल रही थी। उसी क्रम में सभी युवक एवं बच्चे सफेद कुर्ता पैजामा में तीन तीन की कतार में नारे लगाते हुए व्यवस्थित चल रहे थे। रास्ते में जगह जगह लोग मुनिश्री के पाद प्रक्षालन, श्रीजी की आरती कर रहे थे। ब्रम्हचारी पंकज भैयाजी एवं ब्रम्हचारी राजेन्द्रजी के साथ आयी संगीत पार्टी ने मनमोहक संगीत की धुनों से पूजन संपन्न कराई तथा रात्रि में भैयाजी के द्वारा निर्देशित विभिन्न धार्मिक एवं शिक्षाप्रद नाटक संपन्न कराया गया। अंतिम दिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों के प्रतिभागियों का पुरस्कार वितरित किए गए तथा ब्रम्हचारी भैयाजी एवं बाहर से आये हुए कलाकारों का सम्मान किया गया। इन सभी आयोजन में समाज के सिंघई राजीव जैन, डॉ. सुनील जैन, सुरेन्द्रकुमार जैन, आनंदकुमार जैन, सतेन्द्र जैन, इंजी. सुगमचंद जैन, एड. सुगम जैन, प्रभात जैन, मनोज जैन, अरूण जैन आदि समाज बन्धुओं का विशेष सहयोग रहा।

दशलक्षण पर्व का समापन क्षमावाणी पर्व के साथ संपन्न

अरविन्द जैन 'बाकल' जबलपुर। पर्यूषण पर्व की समाप्ति पर श्री दिगम्बर गोलालारीय नवयुवक सभा के तत्वावधान में क्षमावाणी का आयोजन अग्रवाल बारात, घर, उखरी रोड़ पर किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री निर्मल कुमार जैन ज्योतिषाचार्य, अध्यक्ष श्री राजकुमारजी जैन एवं विशिष्ट अतिथि श्री सतेन्द्र जैन 'भाऊ' थे। सर्वप्रथम अतिथियों एवं संस्था के पदाधिकारियों द्वारा भगवान महावीर एवं परम पूज्य 108 आचार्य विद्यासागरजी महाराज के चित्र के समक्ष दीप प्रज्जवलन किया गया। तत्पश्चात मंगलाचरण कुमारी रिया एवं गीतिका मोदी द्वारा किया गया। कार्यक्रम के प्रथम चरण में अतिथियों का स्वागत संस्था अध्यक्ष श्री अरविन्द जैन, उपाध्यक्ष अश्विन जैन, महासचिव डॉ. सुनील जैन एवं कोषाध्यक्ष आलोक जैन तथा सुधीर बालाजी, अरविन्द कटलरी, जयकुमार जैन घुन्सौर, सुरेन्द्र जैन घुन्सौर, मुकेश फणीश एवं सुनील भाऊ द्वारा किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में समाज के बाल कलाकारों के द्वारा नृत्य, भजन एवं कविता प्रस्तुत किये गये।

उसके पश्चात समाज के महिला शक्ति द्वारा भजन एवं नृत्य प्रस्तुत किया गया। श्रीमती निहारिका जैन के नृत्य ने सभी का मन मोह लिया। कार्यक्रम पश्चात पोटली ज्ञान एवं हाऊजी का कार्यक्रम हुआ। जिसमें सभी ने बड़े उत्साह से जैन धर्म के प्रश्नों का सही–सही जवाब देकर पुरस्कार प्राप्त किया। सांयकालीन भोजन पश्चात दशलक्षण पर्व में दस उपवास करने वाले अनुभव जैन, आठ उपवास करने वाले सिद्धार्थ सागर एवं मध्यप्रदेश राज्य विद्युत मंडल में कार्यरत सीए अर्पिता जैन तथा बारहवीं में उच्च अंको से उत्तीर्ण यशस्व जैन एवं अंकिता जैन को 'गोलालारीय दर्शन' परिवार की ओर से प्रशस्ति पत्र एवं उपहारों से सम्मानित किया गया। सांस्कृतिक कार्यक्रम में भाग लेने वाले बच्चों को पुरस्कार, स्वर्गीय श्रीमती सुनीता जैन की स्मृति में सुधीर बालाजी द्वारा एवं श्रीमती मालती जैन द्वारा किया गया। अंत में संस्था अध्यक्ष अरविन्द जैन द्वारा अतिथियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मान दिया गया एवं आभार प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम का संचालन अरविन्द जैन भाईजी एवं अर्पिता जैन द्वारा किया गया।

अभिषेक राजेश जैन 'अभि', पन्ना। चिंतामणि पार्श्वनाथ भगवान के नाम से सुशोभित पन्ना नगरी में विराजमान परम पूज्य गणधराचार्य उपसर्ग विजेता प्रज्ञाश्रमण अध्यात्मरोगी आचार्य भगवन श्री 108 विरागसागरजी महाराज के परम प्रिय शिष्य परम पूज्य बालयोगी मुनिश्री 108 विनिश्चल सागरजी महाराज के ससंघ सानिध्य में शाश्वत पर्व पर्वराज पर्यूषण अति उत्साह एवं आनंद के साथ संपन्न हुआ। धर्म के दस लक्षण का प्रतीक दशलक्षण पर्व के पूर्व पन्ना शहर के दोनो मंदिरों को सजाया गया। मंदिरो में सुबह से श्रीजी का अभिषेक, शांतिधारा एवं पूजन के पश्चात सुबह 9 बजे से श्रमण श्री 108 विनिश्चलसागरजी के दश धर्मो पर प्रवचन दोप. 3 बजे से तत्वार्थ सूत्र का अर्थ सहित वाचन तथा शाम 6 बजे से गुरुभक्ति, प्रश्नमंच और शंका समाधान के द्वारा श्रमणजी द्वारा समाज के सभी लोगों में धर्म के संस्कारों का बीजारोपण किया गया। श्रमण संघ का सानिध्य पाकर समाज के सभी बच्चे एवं युवा भी नियम लेकर धर्म के मार्ग पर प्रशस्त हुये। मंदिरों में शाम को संगीतमय आरती, ब्रह्मचारी भैयाजी द्वारा शास्त्र प्रवचन एवं अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रमों ने पर्यूषण पर्व के उत्साह एवं आनंद में और अधिक वृद्धि की। पर्यूषण पर्व के सानंद समापन पर श्रीजी की भव्य शोभायात्रा निकाली गई जो नगर के प्रमुख मार्गो से होती बड़ा बाजार मंदिरजी पर समाप्त हुई। जिससे नगर में अभूतपूर्व धर्म की प्रभावना हुई।

अंचल जैन, पृथ्वीपुर। पर्यूषण पर्व में समाज जनों ने पूर्ण भक्ति भाव के साथ पूजा अर्चना की, संध्या में आरती एवं शास्त्र प्रवचन का आयोजन भी हुआ। इस पावन बेला पर श्रीमती अनंत जैन (लड़वारी) और श्री हृदेश जैन, दीपू जैन (टेहरका) ने दस उपवास किये। पृथ्वीपुर समाज ने श्रीमती अंनत जैन का सम्मान किया।

चलो पावागिरी जी चलें।।

विशाल जैन पवा, तालबेहट। वीर बुन्देलखण्ड के उत्तर प्रदेश की भूमि पर स्थित एक मात्र सिद्ध क्षेत्र जिसकी महिमा अवर्णीय है, ऐसे परम पुनीत स्थान से स्वर्णभद्र, गुणभद्र, वीरभद्र एवं मणिभद्र आदि मुनिराजों ने मोक्ष प्राप्त किया। स्वर्भद्रादि चार मुनियों की निर्वाण स्थली सिद्ध क्षेत्र पावागिरी जी के मूलनायक भगवान पारसनाथ स्वामी का अतिशय एवं चमत्कार अपरम्पार है। यहाँ प्रतिवर्ष अगहन कृष्ण 2 से अगहन कृष्ण 5 तक वार्षिक मेला में भव्यता के साथ चारों मुनियों का निर्वाण महोत्सव मनाया जाता है। तथा प्रत्येक माह की 15 तारीख को मुनि पुंगव श्री 108 सुधासागरजी महाराज के मंगलमय आशीर्वाद से श्री पारसनाथ दरबार का आयोजन किया जाता है जिसमें मध्यप्रदेश, राजस्थान, दिल्ली, गुजरात एवं उत्तरप्रदेश के कोने–कोने से भारी संख्या में श्रद्धालु पहुँचकर पुण्यार्जन करते हैं तथा भगवान पारसनाथ स्वामी के आशीर्वाद से दुःख दर्द निवारण एवं मनोकामना पूर्ण हो जाने पर श्रद्धा भक्ति के साथ पावागिरी जी का गुणगान करते हैं।

प्रतिवर्ष की भाँति इस वर्ष भी 19 से 22 नवम्बर 2013 तक वार्षिक मेला का आयोजन किया जायेगा। यह मेला जैन समाज में युवक युवतियों के विवाह संबंधो के लिए काफी प्रसिद्ध रहा है। विशेषकर गोलालारीय समाज के संबंध यहां प्रमुखता से होते आये है। आधुनिक संसाधनों के कारण विवाह संबंधी जानकारी आसानी से प्राप्त होने के कारण मेले में विवाह संबंधी जानकारी प्राप्त करने में विशेष रुचि नहीं ली जा रही है । अत: हम सभी को मिलकर क्षेत्र की इस परम्परा को पुर्नजीवित करना ही होगा। जिसके लिए अधिक से अधिक संख्या में विभिन्न नगरों के प्रतिनिधि मंडल अपने क्षेत्र से बच्चों के बायोडाटा लेकर पावागिरी जी के मेले में पहुंचे। विशेष रुप से बुंदेलखंड वासियों से हमारा निवेदन है कि भारी संख्या में पावागिरीजी पहुँचकर 'गोलालारीय दर्शन' के माध्यम से क्षेत्र पर वर्षों से चली आ रही प्रथा को बनाए रखने में सहयोग करें। शादी विवाह समाज के उत्थान का अभिन्न अंग है, परन्तु उचित प्रत्याशी को तलाशने में काफी समय लगता है व्यक्तिगत संबंधों के आधार पर तय विवाह संबंधों में अधिक प्रगाढ़ता आती है। अत: 'गोलालारीय दर्शन' के सतत् प्रयासों को फलीभूत करने के लिए अपना अमूल्य सहयोग प्रदान कर समाज के उत्थान के लिए कदम बढ़ाएँ। सिद्धक्षेत्र पावागिरीजी में वार्षिक मेला के अंतर्गत मुख्य कार्यक्रम 21 एवं 22 नवम्बर को संपन्न होगे, अत: सिद्धभूमि की गरिमा को बनाये रखते हुए अधिक से अधिक संख्या में धर्मावलम्बी पावागिरीजी पहुँचकर क्षेत्र के विकास में अपना सहयोग प्रदान करें।

पावागिरीजी का बाहरी परिवेश एवं प्राकृतिक सौंदर्य अद्वितीय है तथा वातावरण पर्यटक स्थल की छटा बिखेरता है, बरसात के समय निकटवर्ती तालाब में पानी आ जाने से इसकी सुंदरता में चार चांद लग जाते हैं। जो भी श्रद्धालु यहाँ एक बार आ जाता है, वह बार–बार आने के लिए उत्सुक रहता है। अत: समस्त महानुभावों से निवेदन है कि इस बार वार्षिक मेला के आयोजन में सपरिवार पहुँचकर कार्यक्रम को सफल बनाएँ।

हम पेशेवर पत्रकार नहीं है और ना ही हमारे पास पत्रकारिता का कोई अनुभव है। बस एक चाह, एक उद्देश्य है समाज के बच्चों एवं युवा वर्ग की प्रतिभाओं को आप सबके सामने लाने का एक छोटा सा प्रयास भर है। यदि इस प्रयास में हमसे होने वाली समस्त त्रुटियों के लिए हम सदैव आपसे क्षमाप्रार्थी है।

सीएम डॉ. रमनसिंह ने किया छत्तीसगढ़ विशेषांक का विमोचन

प्रवीणकुमार जैन, रायपुर। बुंदेलखंड की वीर प्रसूता नगरी झाँसी से 36 वर्षों से निरंतर प्रकाशित दैनिक विश्व परिवार को संस्कारधानी रायपुर से प्रकाशित होने के प्रवेशांक का विमोचन समारोह के मुख्य अतिथि राज्य के मुख्यमंत्री श्री रमनसिंह ने किया। समारोह की अध्यक्षता राज्य विधानसभा के अध्यक्ष श्री धरमलाल कौशिक ने की, विशिष्ट अतिथियों के रुप में महिला एवं बाल विकास मंत्री लता उसेंठी, संसदीय सचिव महेश बांगड़, ईएफडब्ल्यूजे के राष्ट्रीय अध्यक्ष विक्रम राव, राज्य श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के अध्यक्ष अरविन्द अवस्थी, कोषाध्यक्ष श्यामबाबू आदि उपस्थित रहे। विमोचन उपरांत मुख्यमंत्री ने कहा कि विश्व परिवार राज्य के

रचनात्मक विकास में योगदान के साथ शासन की योजनाओं की सफलता को जनमानस तक पहुँचाने में सहभागी होगा। उन्होंने आगे कहा कि पत्रकार विषम परिस्थितियों में संघर्ष करते हुए रचनात्मक लेखन के द्वारा राज्य को विकास की राह पर ले जा रहे है। श्री विक्रमरावजी ने कहा कि दैनिक विश्व परिवार के प्रधान संपादक श्री कैलाशचंद जैन वरिष्ठ श्रमजीवी पत्रकार है, जो उत्तरप्रदेश श्रमजीवी पत्रकार यूनियन के अध्यक्ष भी रहे है। उनका सकारात्मक चिंतन व उनकी लेखनी सदैव प्रखर मुखर होती रही है। रानी लक्ष्मीबाई की नगरी के बाद छत्तीसगढ़ की संस्कारधानी में भी दैनिक विश्व परिवार शासन व जनता के बीच सेतु का कार्य करते हुए अपनी उपयोगिता सिद्ध करेगा। संपादक श्री प्रवीण कुमार जैन ने बताया कि दैनिक विश्व परिवार अब वेबसाइट पर आ जाने से समस्त विश्व समुदाय से जुड़कर विश्व परिवार की कल्पना को साकार करेगा। विमोचन का संचालन श्री विक्रमराव व आभार प्रधान संपादक श्री कैलाशचंदजी ने किया।

नागपुर को मिला दो आचार्यों के चातुर्मास का सानिध्य

प्रकाशचंद जैन, नागपुर। सकल जैन समाज का परम सौभाग्य है कि नागपुर में चातुर्मास में दो दो आचार्यों का सानिध्य मिल रहा है, प.पू. आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज का ससंघ चातुर्मास स्थापना अतिशय क्षेत्र रामटेक (जिला नागपुर) में हुई, चातुर्मास के कुछ दिन पश्चात चौबीस दीक्षाओं को एक साथ देखने का सुअवसर जैन समाज को प्राप्त हुआ। यह कार्यक्रम इतना विशाल एवं भव्य था कि बिना किसी पूर्व सूचना के सारे भारत वर्ष से श्रद्धालु कार्यक्रम में शामिल हुये। प.पू. आचार्य श्री विद्यासागरजी महाराज के आशीर्वाद से नागपुर के परवारपुरा जैन मंदिर के नवनिर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ, इस मंदिर के निर्माण की रुपरेखा इस तरह से तैयार की गई है कि विदर्भ क्षेत्र में अपने आप में यह मंदिर अपनी विशेष पहचान के लिये जाना जायेगा। आचार्यश्री के प्रवचन प्रत्येक रविवार दोपहर 2 बजे से लगातार हो रहे हैं। उसी तरह प.पू. आचार्य श्री विशुद्धसागरजी महाराज अपने चौदह मुनिराजों सहित नागपुर में विराजमान है, आचार्यश्री के सानिध्य में 'श्रावक संस्कार शिविर' का आयोजन हेडगेवार भवन रेशिमबाग में हुआ जिसमें संपूर्ण भारत वर्ष से प्रसिद्ध विद्वान एवं आठ सौ शिविरार्थियों ने पधारकर शिविर में लाभ लिया। आचार्यश्री के सानिध्य में 6 अक्टूबर को महावीर नगर उद्यान में दीक्षायें होना है, आचार्यश्री के प्रवचन प्रतिदिन सुबह 9 बजे एवं दोपहर 3 बजे नियमित हो रहे हैं।

* बधाईयाँ *

कु. सलोनी संजय-अंजू जैन इन्दौर को कत्थक नृत्य की सुंदर प्रस्तुति के लिये विद्यालय एवं अनेक संस्थानों से मेडल प्राप्त हुये। कु. सलोनी जैन 8 वर्ष के कत्थक प्रशिक्षण के पांचवे वर्ष में है व मंच पर एकल व समूह प्रस्तुति दे रही है। आप गोलालारीय समाज के पूर्व कोषाध्यक्ष स्व. श्री राजेन्द्रकुमार की पौत्री है।

क्षमा वीरस्य भूषणम्

कपूरचंद जैन, खतौली। नगर में दशलक्षण पर्व उत्साह एवं आनंद के साथ मनाया गया। सभी नौ मंदिरों में प्रात: पूजन, अभिषेक के साथ शांतिधारा कर विश्व के कल्याण की कामना की गई। सायं आरती, शास्त्र, प्रवचन के बाद सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस वर्ष नगर में ऐलाचार्य श्री क्षमाभूषणजी महाराज तथा आर्यिका कीर्तिमती माताजी द्वारा ससंघ चातुर्मास करने से विशेष प्रभावना रही। क्षमावाणी पर गोष्ठियों का आयोजन किया गया जिसमें विभिन्न वक्ताओं ने जैन एवं जैनेत्तर महानुभावों को क्षमा का स्वरुप बताकर पालन करने का संदेश दिया। शांतिनाथ मंदिर में धर्मसभा का संचालन डॉ. ज्योति जैन ने किया। मुख्य वक्ता हड्डी रोग विशेषज्ञ डॉ. एम.एम.नागर एवं डॉ. कपूरचंद जैन ने कहा कि क्षमा मानव का स्वभाव है, स्थावर जीवों, दो तीन, चार इंद्रिय जीवों से क्षमायाचना करना, जैन धर्म की विशेषता है। अन्य वक्ताओं ने भी विचार व्यक्त किये। श्री पार्श्वनाथ दि. जैन मंदिर, जैन मंडी में डॉ. कपूरचंद ने प्रात: अभिषेक कर प्रतिदिन श्री भक्तामर विधान किया। डॉ. ज्योति जैन ने जैन मिलन, महासमिति की विभिन्न शाखाओं में प्रश्नमंच आयोजित कर धर्म प्रभावना की।

विदिशा, कन्छेदीलाल जैन। श्री महावीर दि. जैन मंदिर में पर्यूषण पर्व में अभूतपूर्व धर्म की गंगा प्रवाहित हुई। दिसम्बर 2012 में संपन्न पंचकल्याणक के पश्चात नव श्रृंगारित मंदिर में पूरे 10 दिन प्रात:काल की बेला में अभिषेक, शांतिधारा, संगीतमय सामूहिक पूजन के पश्चात दशलक्षण महामंडल विधान का आयोजन किया गया। सायंकाल सामूहिक आरती, दशधर्म पर प्रवचन पश्चात प्रतिदिन सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति बड़े ही मनमोहक ढंग से की गई, जिसमें सभी आयुवर्ग के धर्म स्नेही माता, बहिनों, आबाल वृद्धों ने अपनी अपनी योग्यतानुसार भागीदारी सुनिश्चित कर पुण्य संचय किया। पर्यूषण पश्चात प्रतियोगिता में भाग लेने वालों को पुरस्कार वितरण कर उत्साहवर्धन किया गया। दि. 20 सितम्बर को किले अंदर श्री शीतलनाथ छोटे मंदिर से श्रीजी की शोभा यात्रा प्रारंभ होकर नगर के मुख्य मार्गों से होती हुई स्टेशन जैन मंदिरके पास माधवगंज प्रांगण में आकर श्रीजी का अभिषेक, पूजन किया गया। सभी सार्धीबंधुओं ने गत वर्ष में हुई त्रुटियों के लिए एक दूसरे से क्षमायाचना की। श्रीजी की शोभा यात्रा में ऊपर से इन्द्रों ने भी जल की वर्षा कर भूमि शुद्धि के साथ साथ वातावरण को शीतलता प्रदान की।

श्रेयांस धर्मसैया,अहमदाबाद। गुजरात की भूमि को 4 सिद्धक्षेत्र व 3 अतिशय क्षेत्र पाने का परम सौभाग्य प्राप्त है। प्राचीन मंदिर श्री संभवनाथ दिगम्बर जैन मंदिर के अंतर्गत एक जैन भवन पूर्वजों द्वारा हमें विरासत में मिला है। यह देन का सदुपयोग यात्रियों के रहने, ठहरने की सुंदर व्यवस्था मिले इस दिशा में पूर्ण रुप से भरसक प्रयास आरंभ हो गये है। गंतव्य स्थान रेलवे स्टेशन व बस अड्डे से मात्र 1.5 कि.मी के अंतर पर ही है। यह जैन भवन यात्री निवास हेतु समग्र भारत वर्ष के दिगम्बर जैन बंधुओं के साथ सहकार की भावना के साथ आधुनिक

सुविधायुक्त यात्री निवास बनाने की योजना है, जिससे यात्री अपनी आगे की यात्रा के लिए यहां अल्पविराम कर सके। समाज बंधुओं के इलाज हेतु मंदिर के पास सुनिश्चित स्थान होने के कारण सभी के लिए उपयोगी रहेगा। शिक्षा हेतु आने वाले विद्यार्थियों के लिये देवदर्शन की सुविधा के साथ निवास भी सुविधा भी उन्हें प्राप्त होगी। इस महत्वकांक्षी योजना में आप सभी का यथायोग्य सहयोग हमें प्राप्त होगा।

विदिशा सकल दि. जैन समाज की कार्यकारिणी में गोलालारीय समाज की सहभागिता एवं शपथ विधि समारोह

कन्छेदीलाल जैन, विदिशा। सकल दि. जैन समाज के चुनाव में चौधरी प्रकाशचंद सर्राफ अध्यक्ष निर्वाचित हुए उनके द्वारा गठित की गई कार्यकारिणी में गोलालारीय समाज के सदस्यों की भागीदारी निम्न अनुसार है - **कोषाध्यक्ष** - श्री प्रकाशचंद जैन (हुसनापुरवाले), **संयुक्त मंत्री** - श्री शैलेन्द्र चौधरी, श्री आकाश जैन, **प्रवक्ता** - श्री कन्छेदीलाल जैन, **संरक्षक** - श्री चौधरी कैलाश सर्राफ, श्री नाथूराम नटेरन, श्री ए.एल. फणीश, श्री डॉ. पदम जैन, श्री अशोक मानेरिया, श्री के.के. जैन, **उपाध्यक्ष** - श्री संजय दिवाकीर्ति, श्री ललूलाल एडव्होकेट, श्री मेजर सतीशचंद, इंजी. श्री चन्द्रशेखर जैन, श्रीमती सरला चौधरी, श्री वीरेन्द्र भण्डारी, **कनिष्ट उपाध्यक्ष** - श्री मनोज जैन 'बड़ाघर', श्री कमलेश जैन, **सहसंयुक्त मंत्री** - श्री मुकेश जैन 'बड़ाघर', **मंत्री** - श्री संकेत भंडारी, श्री नरेश जैन, श्री महेन्द्र जैन पानवाले,

सहसंयुक्त मंत्री - श्री जितेन्द्र जैन, श्री अखिलेश जैन, श्री संजीव चौधरी, **सहकोषाध्यक्ष** - श्री अभय जैन सीए, श्री जिनेन्द्रकुमार जैन, **सांस्कृतिक मंत्री** - श्री सुरेश जैन गिफ्ट, **नगर के त्यागीव्रती** - श्री महेन्द्र जैन 'बिस्कुट', **विशेष सलाहकार** - श्री सुमेर जैन ठेकेदार, श्री पी.सी. जैन, **कार्यकारिणी सदस्य** - श्री मेजर संतोष सिंघई, श्री स्वतंत्र जैन (स्टेट बैंक), श्री वीरेन्द्र जैन (बाँसी), श्री दुलीचंद जैन, श्री मोना जैन मेडिकल, श्री पवन जैन, श्री अरविंद जैन दिवाकीर्ति, श्री पवन जैन गल्ला मंडी, श्री विनोद जैन हुसनापुर, **विशेष आमंत्रित सदस्य** - डॉ. वीरेन्द्र जैन, इंजी. रमेश जैन बामोरा, डॉ. श्रीमती इंदु जैन, डॉ. आनंद जैन, इंजी. महेन्द्र जैन, श्री विनोदचंद 'वकील', श्री अरविन्द जैन 'एसडीओ', श्री जिनेन्द्र जैन, श्री आशीष जैन।

देहदान – समसामायिक आवश्यकता

संसार में जिसने जन्म लिया उसका मरण सुनिश्चित है। शरीर से आत्मा पृथक हो जाने पर पार्थिव शरीर शेष रह जाता है। विभिन्न समाजों में शव के निराकरण की भिन्न भिन्न परिपाटियां प्रचलित है। जैन समाज में मृत देह को अग्नि में दहन की प्रथा है किन्तु इस क्षणभंगुर और अंत में राख के ढेर में बदलने वाले शरीर या उसके अंगों को किसी जरुरतमंद के लिये समर्पित कर दिया जाये तो मानव जीवन की इससे बड़ी सार्थकता और क्या हो सकती है?

वर्तमान में चिकित्सा विज्ञान ने अभूतपूर्व प्रगति की है जिससे मनुष्य की औसत उम्र में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसी प्रगति ही वजह से आज शरीर के विभिन्न अंगों का प्रत्यारोपण संभव हो सका है। वर्तमान में लीवर, गुर्दे, कॉर्निया, लंग, पैंक्रियाज, हृदय और त्वचा आदि का सफलतापूर्वक प्रत्यारोपण किया जा रहा है किन्तु आवश्यकता के अनुरुप अंग उपलब्ध न हो पाने के कारण अनेक बीमार वर्षों में प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा में कतारबद्ध हैं और अनेक अंगों प्रत्यारोपण के अभाव में दम तोड़ देते है। विभिन्न समुदायों में जागरुकता के अभाव में मानव अंगों की अनुपलब्धता बनी हुयी है और इससे मानव अंगों की तस्करी का घृणित कारोबार भी फल फूल रहा है। साथ ही चिकित्सा विज्ञान में विद्यार्थियों के अध्ययन व रिसर्च हेतु आवश्यकता के अनुरुप मानव देह प्राप्त नहीं होती जो कि एक बड़ी समस्या है।

देहदान इन सारी समस्याओं का निदान है। 108 मुनिश्री तरुणसागरजी कहते हैं कि ''मृत्यु अवश्यांभावी है और मृत्यु के पश्चात राख के ढेर में बदलने वाले इस क्षणभंगुर शरीर से जिसे पाने के लिये आपने स्वयं कोई प्रयास नहीं किया या धन खर्च नहीं किया, अंत समय में किसी दूसरे मानव को जीवन दान मिले तो इससे बड़ी सार्थकता और इससे बड़ा दान और क्या हो सकता है।''

यदि पूरे शरीर को दान न भी करें तो कम से कम जीते जी रक्त, किडनी आदि का दान किया जा सकता है और मरणोपरांत नेत्र, हृदय, त्वचा आदि अंगों का दान किया जा सकता है। इस प्रकार आप एक नहीं अनेक व्यक्तियों को जीवन दान दे सकते है।

जैन समाज इन्दौर का एक वर्ग समाजजनों को रक्तदान, नेत्रदान व देहदान के लिए प्रेरित करता आया है जिसके फलस्वरुप अनेक लोगों को जीवन खुशियों से भर गया है। कुछ दिन पूर्व शहर के एक चिकित्सक ने सड़क दुर्घटना में मृत अपने पुत्र की देहदान कर अनेक मरीजों को आवश्यकतानुसार विभिन्न अंग प्रत्यारोपित करवाये। विगत 4 जुलाई 2013 को मेरी माताजी **श्रीमती लल्लीबाई पत्नी स्व. श्री बहोरीलालजी जैन** निवासी पन्ना का निधन इन्दौर में हुआ। मैंने और परिजनों ने श्री अरबिन्दो मेडिकल कॉलेज इन्दौर को उनकी देहदान का निश्चय किया। 'जीवन में आप किसी के काम आये तो उत्तम एवं मरकर भी किसी के काम आये तो सर्वोत्तम। 'दान से बढ़कर कोई पुण्य नहीं है। देहदान करके आप अनेक जीवन बचा सकते हैं। हजारों मेडीकल छात्रों को शिक्षा एवं शोध में सहयोग दे सकते है। उल्लेखनीय है कि मृत्यु के कुछ घंटो के अंदर ही मानव अंगों को प्रत्यारोपण हेतु संरक्षित किया जा सकता है।

देहदान का एक और धार्मिक पक्ष यह है कि मरण के साथ ही मृत देह में अनंतानंत त्रस जीवों की उत्पत्ति होने लगती है। शव के दहन के साथ ही उनका भी दहन हो जाता है। देहदान से उच्च अहिंसा धर्म का पालन किया जा सकता है। अत: आवश्यकता है केवल आपके दृढ़निश्चय या संकल्प की अथवा परोपकार के निमित्त इस समर्पण भाव की, जिस भाव के वशीभूत होकर हमारे पितृ पुरुष महर्षि दधीचि ने दूसरो के दुख निवारण के लिये अपने प्राणों की आहुति देकर एक आदर्श परम्परा की नींव रखी। इस उदाहरण को हृदयंगम कर हम भी दूसरों के दुख में दुखी और सुख में सुखी होने का संकल्प करें। यदि व्यक्ति स्वयं अपने जीते जी मरणोपरांत देहदान का संकल्प लेता है तो निश्चय ही यह पुण्य कार्य होगा और उसे मरणोपरांत यदि उसके परिजन भी इस इच्छा को क्रियान्वित करते तो उनके पुण्यार्जन में भी वृद्धि होगी। बेशक देहदान एक समसामायिक आवश्यकता है।

– अशोक कुमार जैन, से.नि. न्यायाधीश,
महालक्ष्मी नगर, इन्दौर

"Youth Kaleidoscope"

Dear Friends ! Golalariya Darshan has started "Youth Kaleidoscope" in which you can send your articles, stories, poems etc. you many send them in English as well. Golalariya Darshan is eager to hear from you guys!

THE LAUNDRY MAN

From the diaries of Aayushi Jain

Only rarely do I stop at his side of the road. Big muddy pits opening their mouths into the narrow ditch carrying drainage water, which most of the times is choked by the plastic poly bags and liberally scattered ready-to-eat empty food packets creating a filthy puddle alongside, unavoidably catch my attention as I try to drive faster through the bumpy road, only to get past his area as soon as I can. My personal hatred for him drives me more into this disgusting feeling as and when I pass through his road. He usually never keeps my clothes ready. Its always a 2-3 ride affair. "Aap aadhe ghante se aao, taiyyar milenge", he replies. And God knows, his clock ticks like tortoise! His half an hour ends at my one and a half hour. And to add to it? His ATTITUDE! RUDE! RASH! He looks into my eyes as if he is gonna kill me through his hateful eyes! The slack won't do his work on time and would throw fumes when I would shout at him through the other side of the road asking him to ready my clothes.

"You're not my regular customer madam, that I should give you my priority", he said once, and from that day onwards, I unceasingly try to insult him, the same of which, he does in return.

Today was no different. I had already made an empty round to his corner and returned warning him to get my stuff ready within half an hour. I was in a bit of hurry today (which incidentally I am always in- every time I bump into him..) as papa had to rush for an important meeting and he was waiting for clothes. Papa was getting more and more impatient with every passing minute, so I finally decided to let go of my grudge for once(again) and I left for him.

As usual, he was up with the same lines. I controlled myself. I patiently parked my bike yards away from his small one room tenement and stood beside it waiting for him to spare me my belongings.

I put on my MP3 player and my eyes started scanning the whole place. Broken road, dirt and dust, all over the place... but I was at once surprised to find the area around his small dwelling a bit clean and mannerly maintained. The small broken tiles which popped up right at the starting of his territory, although ill fitted, were properly swept. I began analyzing his one room kingdom. Though technically speaking, it was two rooms but I won't appreciate this idea. They were separated by an old yellow double-bed sheet held vertically by a hanging rod. The bed sheet was torn and contained numerous holes every here and there. He stood behind an old wooden brown table with a rust color heavy iron in his dark hands. My gaze fixed at his muscles. They beard the witnesses of his toils and hard work. Balloon shaped muscles of his upper arm. He moved his strong hands with such ease at the shirt I kept on staring.

My stare was only broken when the shopkeeper from the next shop called him telling him that he had a phone call. He quickly rushed into his shop and picked up his phone. Perhaps it was from his another customer whom he had not sent their clothes and who was fuming upon him. All he was doing was constantly assuring the one on line of the timely delivery of their belongings and all of a sudden he cut the line! With a pang of anger in his eyes, he walked out of the shop, only to find his small kid playing in the mud. He picked him up in his arms and his anger melted into his love. He kissed his forehead, shook his already dirty clothes off the mud, and lay him into the another room (partition) of his abode(and shop). From inside, a voice came. It was a feminine voice. His wife. She uttered something inconspicuous. Then she came out. She had an another child in her arms. The child must be around 6-7 months old.

Watching the whole scene, I began understanding the big picture. The Laundry Man must be around 24 or 25. He had a wife. Two small children. The four people in his family were confined to this small tenement which was their bed room, their kitchen, their bath room and also their workplace. Their world was confined within this small poorly lit(by a yellow bulb) tenement. Still they were doing the best they could. The wife was good looking. Her eye brows properly maintained, her hair neatly tied and her sari mannerly worn. She kept her small accommodation neat and tidy and he respected her. And loved her. When she looked into his eyes, and when he looked into her eyes, I instantly knew they were in love. There was a strong protectiveness in his eyes for her. When she sat outside on the stool, he constantly kept an eye on everyone who passed by or stood there. Protecting his wife from the lustful eyes of the boys toddling around there and at the same time insisting his two year old son to stay within his territory; he was a family person. And looking at his condition, the amount of money he earns and the daily ill-speak he goes through, but still moving on each day, working and earning that little pie of happiness which he shares with his family in that one room tenement made me bow at his perseverance. A strange sense of respect arouse inside me for him. And I must admit, this sense of respect has perhaps always been there but my hatred for him never made way to anything this good. I have always voluntarily suppressed any positive vibes for him. But this time when I saw his eyes as soft and watery instead of dark and hateful, I just could not help but adore him deep inside my heart.

I wished I could do something for him....but perhaps...he'll make it through...

"Madam ho gaya.", he called me. I stood up, switched off my MP3 player and headed to collect my belongings. This time, with a smile

सर्दियों संग आएं बीमारियां

हार्ट अटैक

शोध कहते है कि सर्दियों के मौसम में धूम्रपान की दर बढ़ जाती है, ऐसे में जिन लोगों को हाई कोलेस्ट्रॉल की समस्या है, उनमें हार्ट अटैक की आशंका इस मौसम में और बढ़ जाती है। ठंड के कारण ब्लड प्रेशर बढ़ जाता है। बॉडी हीट बनाए रखने के लिए इस मौसम में हार्ट को और अधिक कार्य करना पड़ता है, जिससे दिल पर अतिरिक्त बोझ बढ़ता है। दिल की बीमारियों के लक्षणों में सीने में दर्द, सांस लेने में तकलीफ और त्वचा हल्की नीली नजर आने लगती है।

कोल्ड और फ्लू

जुकाम या फ्लू यूं तो किसी भी मौसम में हो सकता है लेकिन इस मौसम में इसकी आशंका बढ़ जाती है। एक रिसर्च में यह बात सामने आई है कि इस मौसम में नासिका नली में व्हाइट ब्लड सेल्स की सप्लाई कम हो जाती है, जिससे शरीर तरह तरह के संक्रमणों से लड़ने में कमजोर पड़ने लगता है। इस मौसम में फ्लू वायरस लंबे समय तक हवाओं में बरकरार रहता है। यूं तो कोल्ड और फ्लू के वायरस एक–दूसरे से काफी मिलते–जुलते होते है लेकिन फ्लू में हाई फीवर होता है।

डिप्रेशन

छोटे दिन और सूर्य की कम रोशनी सीजनल अफेक्टिव डिसआर्डर की आशंका को काफी बढ़ा देती है। इसलिए ठंड की शुरुआत के साथ ही डिप्रेशन के लक्षण नजर आने लगते है। शारीरिक ऊर्जा में कमी, अस्थिरता, अत्यधिक नींद आना, लोगों से दूरी और वजन का बढ़ना इसके कुछ लक्षण है। आर्टिफिशियल लाइट के डोज देकर इस डिसआर्डर से पीड़ित व्यक्ति का उपचार किया जाता है।

विटामिन डी की कमी –

ठंड के दिनों में सूर्य से मिलने वाले विटामिन डी की मात्रा काफी कम हो जाती है, जो सेहत के लिए काफी खतरनाक होती है। इससे ऑस्टियोपोरोसिस, डिमेंशिया और पार्किंसन डिसीज होने की आशंका काफी बढ़ जाती है। प्रतिदिन 15 मिनट तक हाथों पर सूर्य की रोशनी लेने से विटामिन डी का स्तर बना रहता है। वैसे इस मौसम में कई क्षेत्रों में सूर्य कुछ दिनों के लिए छुपा रहता है। ऐसे में बुजुर्गों को विटामिन डी के विकल्प लेने की आवश्यकता होती है।

कैसे रहें ठंड से सुरक्षित –

* यदि ठंड बहुत अधिक हो तो बाहर कम से कम निकलें। व्यायाम भी घर के अंदर ही करें।
* इस मौसम में किसी भी गतिविधि की शुरुआत धीरे–धीरे करें। कोई भी काम अत्यधिक न करें। हर काम के बीच आराम करें ।
* गर्म कपड़े अच्छी तरह से पहनें। टोपी, ग्लव्स और स्कर्फ पहनने से आपको ठंडी हवा नहीं लगेगी। हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों के लिए ऐसा करना और भी जरूरी है।
* इस मौसम में कोई नया व्यायाम शुरु करने से पहले अपने चिकित्सक से सलाह जरुर लें।
* खाने पर नियंत्रण रखें, क्योंकि इस मौसम में लोग अधिक मात्रा में भोजन करते हैं और इससे उनका वजन बढ़ जाता है।

शब्द जाल –

नीचे दिये गये शब्दजाल में आढ़े–खड़े और तिरछे शब्दों में 10 तीर्थंकरों के नाम छुपे है उन्हें ढूँढकर **गोलालारीय दर्शन 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर** के पते पर भेजें ।
प्राप्त प्रविष्टियों को ड्रॉ निकालकर प्रथम 5 विजेताओं को पुरस्कृत किया जावेगा। साथ ही आगामी अंक में उनके फोटो भी प्रकाशित किये जायेंगे।

S	L	M	A	H	A	V	I	R	N	P	O
R	H	P	S	N	A	D	D	E	A	M	S
I	M	A	V	I	M	A	L	R	O	A	N
S	P	L	N	R	L	P	A	Y	Z	L	X
H	A	A	O	T	M	S	P	N	W	L	M
A	J	N	S	M	I	T	R	Q	M	I	O
B	I	N	T	J	K	X	V	U	S	T	C
H	T	Q	N	E	M	I	A	T	K	P	R
L	M	R	J	L	P	K	M	P	R	T	S
P	P	A	N	A	N	T	P	R	H	A	M
N	O	N	M	P	P	S	O	N	L	I	I
K	S	H	R	E	Y	A	N	S	D	E	N

नियम – प्रतियोगिता 8 वर्ष से 13 वर्ष तक के बच्चों के लिए ही है।
सही जवाब के साथ वर्ष 2013 की अंकसूची की फोटोकॉपी एवं प्रत्याशी अपना फोटो भेजें।
संपादक मंडल का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा।

अजीब है ना...?

20 रूपये का नोट बहुत ज्यादा लगता है जब गरीब को देना हो,
मगर होटल में टिप देना हो तो बहुत कम लगता है... !!
तीन मिनिट के लिये भगवान को याद करना कितना मुश्किल है,
मगर तीन घण्टे फिल्म देखना कितना आसान है... !!
पूरे दिन मेहनत के बाद जिम जाने से नहीं थकते,
मगर माँ–बाप के पैर दबाने हो तो हम थक जाते है... !!
वेलेन्टाइन डे के लिए हम पूरे साल इंतजार करते हैं, मगर
'मदर–डे', 'फादर–डे' कब है हमें पता ही नहीं है... !!

एक रोटी नहीं दे सका कोई उस मासूम बच्चे को,
लेकिन वो तस्वीर लाखों में बिक गयी
जिसमें रोटी के लिये वो बच्चा उदास बैठा था...

संकलन – सपना अंचल जैन, इन्दौर

हरी सब्जियाँ – कैसे ले पूरा लाभ ?

हम सभी भोजन में हरी सब्जियों के महत्व से अच्छी तरह परिचित है किन्तु इनके गुणों का पूरा पूरा फायदा कैसे उठाये इस बारे में हममें से अधिकांश लोग अनभिज्ञ रहते है। आइये देखे कि किस प्रकार हम हरी सब्जियों से अधिक से अधिक लाभ प्राप्त कर सकते है।

* आहार विशेषज्ञ कहते है कि हमारे दिन भर में खाई जाने वाली सब्जियों का 50% हमें सलाद के रुप में खाना चाहिये। पकाने से न सिर्फ सब्जियों के विटामिन और मिनरल नष्ट हो जाते है वरन् उनमें अतिरिक्त फैट भी जुड़ जाता है।
* जहां तक हो सके सब्जियों को अधिक नहीं पकाना चाहिये। बेहतर होगा इन्हें तेज आंच पर हल्का सा भून लें जैसा कि चाइनीज भोजन में किया जाता है।
* तेल में 'डीप फ्राय' करने के स्थान पर सब्जियों को भाप में पकाये या सूखा भूनकर इनके कुदरती गुणों को बचाया जा सकता है।
* हमेशा ताजी सब्जियों का प्रयोग करें। लंबे समय पूर्व तोड़ी गयी सब्जियों के पोषक तत्वों का क्षरण होने लगता है।
* पकाने से काफी समय पहले काटकर रखी सब्जियां भी पोषक तत्वों को खो देती है अत: इन्हें काटकर यथाशीघ्र पका लें।
* सब्जियां धोकर काटें न कि काटकर धोयें। काटकर धोने से घुलनशील विटामिन और खनिज नष्ट जो जाते है।
* सब्जियों को छीलते समय मोटे छिल्के न उतारें, अधिकांश विटामिन और खनिज छिल्कों और उपरी सतह पर ही पाये जाते है। यदि आवश्यक न हो तो फलों और सब्जियों को छिल्के सहित ही प्रयोग करें।
* जहां तक हो सके सब्जियों को प्रेशर कुकर में पकायें जिसमें जल्दी पकने के साथ ही पोषकतत्व भी संरक्षित रह पाते हैं।
* कुछ सब्जियों को पकाने से उनके गुणों में भी वृद्धि होती है जैसे गाजर को पकाने से इसमें 'बीटा कैरोटीन' का स्तर बढ़ जाता है जो विटामिन ए को बनाता है। इसी प्रकार टमाटर को पकाने से इसका 'लाइकोपीन' नाम एंटी ऑक्सीडेंट और अधिक बढ़ जाता है।
* कभी कभी कुछ सब्जियाँ कच्ची खाने पर गैस व पेटदर्द का कारण भी बन सकती है जैसे पत्तागोभी और फूलगोभी आदि।

और अंत में एक बात और सब्जियों को पकाकर जितनी जल्दी हो सके खा भी लें। बहुत समय पहले पकी हुयी सब्जी को खाने से भी आप उसके बहुत से गुणों से वंचित रह सकते है अत: भोजन को ताजा ही खाने का प्रयास करें।

– अनुपमा जैन, सहसम्पादिका, इन्दौर

अहमदाबाद में धूमधाम से पर्यूषण पर्व सम्पन्न

श्रेयांश जैन धर्मसैया, अहमदाबाद । श्री शांतिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, धनलक्ष्मी सोसायटी ओढ़व में ब्र. श्री जिनेश मलैया (प्रधान संपादक संस्कार सागर) इन्दौर के सानिध्य में श्री पर्यूषण पर्व पर आध्यात्म प्रवचन, श्री दशलक्षण विधान व अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम एवं प्रतियोगितायें भव्यता से संपन्न हुई। काफी संख्या में विधान में बैठने का साधर्मी बंधुओं को सौभाग्य प्राप्त हुआ। विविध प्रतियोगिता हुई, विजेता प्रतियोगियों को पुरस्कार भी वितरित किये गये। अंतिम दिन श्रीजी की विशाल शोभायात्रा पश्चात स्वामी वात्सल्य आयोजन हर्षोल्लासपूर्वक संपन्न हुआ।

शुचिता जैन
11 उपवास

अनिता जैन
10 उपवास

कपिल जैन
5 उपवास

नरेश जैन
5 उपवास

नम्रता जैन
5उपवास

हरिशचंद बी. जैन, अंबिका नगर। श्री 1008 श्री कलिकुंड पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर अंबिका नगर, ओढ़व में पर्वाधिराज पर्यूषण पर्व के सुअवसर पर पं. श्री राजेन्द्रकुमारजी शास्त्री (टीकमगढ़वालों) के तत्वावधान में संपन्न हुआ। प्रात: अभिषेक, शांतिधारा, सामूहिक पूजन, दोपहर तत्वार्थ सूत्र का वाचन एवं सायंकाल संगीत नृत्य के साथ भव्य आरती, प्रवचन एवं प्रतियोगिता संपन्न हुई। पर्व की पूर्णाहुति पर रथयात्रा, क्षमावाणी एवं स्वामी वात्सल्य भी हुआ।

श्री मंदिरजी अंतर्गत श्री 108 श्री विद्यासागर एज्युकेशन ट्रस्ट (संत निवास) आधुनिक सुविधायुक्त बनकर पूर्णरूप से तैयार हो गया है। जिसका शुभ उद्घाटन आचार्यश्री के जन्मदिवस शरद पूर्णिमा दिनांक 18 अक्टूबर को श्री भक्तामरजी पाठ द्वारा संपन्न होगा। जिसमें आप सभी सादर आमंत्रित है। यह संत निवास जैन समाज के योगदान के साथ श्री अजितकुमारजी पंचमलालजी (मढ़ियावालों) ने विशेष तन–मन–धन से सहयोग देकर सुंदर भवन का निर्माण करवाया है।

सुरेन्द्र डी. जैन, गोमतीपुर। अहमदाबाद नगर का प्राचीन अतिशयकारी श्री 1008 संभवनाथ दिगम्बर जैन मंदिर, गोमतीपुर पर्यूषण पर्व के दौरान प्रात: अभिषेक, शांतिधारा, सायंकाल नृत्यमय संगीत के साथ भव्य आरती हुई। वर्षों की परम्परानुसार दूज को श्रीजी की भव्य शोभायात्रा जुलूस के साथ पर्व संपन्न हुये। संपन्नता पं. श्री संजीवजी वरघुंवा व करैरा से पधारे संगीतकार श्री संतोषजी शर्मा व चतुरसेन द्वारा हुई।

इन्दौर में क्षमावाणी संपन्न

अनुपमा जैन, इन्दौर। पर्यूषण पर्व के समापन पश्चात रविवार को नगर में गोलालारीय समाज के एकमात्र मंदिर 1008 श्री शांतिनाथ जिनालय, न्यू देवास रोड़ पर सामूहिक क्षमावाणी का आयोजन किया गया। विगत दो दिनों से चल रही अनवरत् वर्षा के बावजूद कार्यक्रम में समाजजनों की भारी उपस्थिति उल्लेखनीय रही। कार्यक्रम का शुभारंभ सर्वप्रथम मंगलाचरण से हुआ जिसे किरण जैन एवं संगीता जैन ने प्रस्तुत किया। समाज के स्थायी ट्रस्टी श्री राजेन्द्रकुमार जैन 'सायकलवाले', श्री खुशालचंद जैन एवं श्री हरीशचंदजी जैन के स्वागत पश्चात समाज के अध्यक्ष श्री कोमलचंदजी ने अपने अध्यक्षीय उद्बोधन में मंदिरजी के जीर्णोद्धार की योजना से समाज को अवगत कराया तथा सभी से यथाशक्ति सहयोग देने का आव्हान किया। समाजजनों को विभिन्न गतिविधियों की जानकारी देने हेतु 'सामूहिक मोबाइल मैसेज' योजना का भी शुभारंभ किया गया। इसमें अब तक 250 सदस्यों को जोड़ा जा चुका है। अध्यक्ष महोदय ने इसे शीघ्र ही पूरे समाजजनों को पहुंचाने का आश्वासन दिया। समाज की निर्देशिका 'प्रयास' का नया संस्करण भी शीघ्र ही प्रकाशित किया जा रहा है। नये सदस्यों को शीघ्र ही इससे जुड़ने का अनुरोध भी आपने किया।

समाज की मूकबधिर बालिका रिया जैन का सफल आपरेशन समाज की महिलाओं के सहयोग द्वारा कराया गया जिसमें महिला मंडल की सचिव श्रीमती भारती जैन और 'स्तुति' महिला मंडल की अध्यक्षा श्रीमती अर्चना जैन के अथक प्रयासों से लगभग 7 लाख रुपये एकत्र किये गये। श्रीमती भारती जैन ने बालिका को समाज के सम्मुख प्रस्तुत किया जो क्रमश: स्वास्थ्य लाभ प्राप्त कर रही है। श्रीमती भारती जैन एवं श्रीमती अर्चना जैन को इस सत्प्रयास के लिए सम्मानित किया गया।

तत्पश्चात प्रतिवर्ष की तरह कक्षा 1 से स्नातकोत्तर तक के मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान किया गया। इसमें गोलालारीय समाज न्यास की ओर से सभी छात्र छात्राओं को पुरस्कार विजया–अजयकुमार जैन, ललितपुर की ओर से एवं 'गोलालारीय दर्शन' परिवार की ओर से प्रशस्ति पत्र प्रदान किये गये। इस कार्यक्रम का संचालन श्रीमती अनुपमा जैन ने किया। इसी तारतम्य में पर्यूषण पर्व के दौरान उपवास आदि करने वाले तपसाधकों का भी सम्मान किया गया। **श्रीमती पदमा राजेन्द्र कुमार जैन,** स्मृति नगर ने 25 उपवासों की आराधना कर पूरे समाज के लिये अनुकरणीय मिसाल प्रस्तुत की, 5 से अधिक तपसाधना करने वाले श्रीमती शिल्पा जैन, श्री आनंद जैन, श्री नागेन्द्र जैन, श्रीमती अनिता जैन, श्रीमती रेशु जैन, श्रीमती अनिता जैन परदेशीपुरा, श्रीमती सुनीता जैन, श्रीमती भारती जैन, श्री प्रदीपकुमार जैन, कु. भूमिका जैन, श्रीमती प्रेमा जैन, श्रीमती मीना जैन, श्री विमलकुमार जैन, श्री सौरभ जैन, श्रीमती विमला जैन एवं श्रीमती रेखा जैन का सम्मान बा.ब्र. अनिल भैयाजी द्वारा किया गया। कार्यक्रम में मंदिरजी के जीर्णोद्धार के पश्चात निमित्त होने पर मंदिरजी की नवीन आकृति के चित्र का अनावरण करा गया, अनवारण अतिथियों और समाज के वरिष्ठजनों के कर कमलों द्वार किया गया। क्षमावाणी कार्यक्रम में विशेष रुप से आमंत्रित मुख्य अतिथि बा.ब्र. श्री अनिलजी भैया ने अपने सारगर्भित उद्बोधन में माता पिता और बच्चों के बीच संबंधों में अपनापन बढ़ाने पर जोर दिया। बच्चों में धार्मिक संस्कार, अपनी भाषा और संस्कृति का सम्मान करने की आवश्यकता पर बल देते हुए उन्होंने कहा कि बच्चों को समय समय पर प्रोत्साहित करते रहे। मुख्य अतिथि के उद्बोधन के पश्चात श्रीजी के अभिषेक संपन्न हुए। तत्पश्चात सभी समाजजनों ने परस्पर क्षमायाचना कर पर्व की सार्थकता पूरी की। स्वल्पाहार के पश्चात श्री विजयकुमार जैन ने आभार प्रदर्शन किया। पूरे कार्यक्रम का संचालन श्री सुदेश जैन फणीश ने किया।

समाज के गौरव

सिम्मी जैन

श्री सनतकुमार–सुमन जैन, विदिशा की सुपुत्री **सिम्मी जैन** ने एम.ए. (लोक प्रशासन) में किया। आपकी विशेष उपलब्धि – MPPSC में 7वीं रैंक पास कर वर्तमान में आप CTO वाणिज्य कर अधिकारी के रुप में भोपाल में पदस्थ है। आप अपनी सफलता का श्रेय संत शिरोमणि आचार्यश्री विद्यासागर जी महाराज एवं परम पूज्यनीय 108 क्षमासागरजी महाराज के आशीर्वाद को एवं अपने माता–पिता, बहनों, मामाजी को देती है। आपने युवा वर्ग को अधिक मेहनत करने की प्रेरणा देते हुए कहा कि धैर्य, ईमानदारी, पवित्रा तथा आत्मविश्वास के साथ तैयारी करें । अपनी क्षमताओं में वृद्धि करें, हमेशा सकारात्मक रहें सफलता अवश्य मिलेगी।

बधाईयाँ...

श्री धन्यकुमार अरुणा जैन के पुत्र **अंकित जैन** जबलपुर ने सेंट्रल स्कूल से 12वीं की परीक्षा में 95% तथा आईआईआईटी इलाहाबाद से बी.टेक की परीक्षा में 10 पांईट से उत्तीर्ण की। वर्तमान में आप 'जूनीपर नेटवर्क' कंपनी बैंगलोर में हार्डवेयर इंजीनियर के पद पर पदस्थ है।

बधाईयाँ..

श्री सुनील जैन सुपुत्र श्री सुरेशचंद्रजी जैन को अवधेश प्रतापसिंह वि.वि. रीवा से 'शिक्षकों के कल्याण में शिक्षक संघो की भूमिका' विषय पर शोधकार्य हेतु पी.एच.डी. की उपाधि प्रदान की गयी। श्री सुनील जैन वर्तमान में आदिनाथ कॉलेज ऑफ एजुकेशन, ललितपुर में प्राचार्य पद पर कार्यरत है।

पर्वाधिराज पर्यूषण पर्व के अवसर पर विभिन्न मंदिरों में अनेक कार्यक्रम संपन्न हुये। सभी ने सांगानेर से पधारे विद्वानों द्वारा प्रवचनों का लाभ लिया। इसी श्रृंखला में दिगम्बर जैन बड़ा मंदिर में 'कौन बनेगा धर्म शिरोमणि' प्रतियोगिता आयोजित की गयी। इसमें **श्रीमती शशिप्रभा जैन (कमलाबाई)** ने सभी प्रश्नों के सही उत्तर देकर 'धर्म शिरोमणि' बनी। श्रीमती शशिप्रभाजी स्व. श्री मगनलालजी जैन रजवारावालों की पत्नी और श्री राजकुमार जैन की माताजी है। आप अत्यंत सरल स्वभावी, धार्मिक और विदुषी महिला है। गोलालारीय दर्शन की ओर से आपको बधाईयाँ। प्रेषक – श्री ज्ञानचंद जैन ललितपुर ।

कानपुर निवासी **श्रीमती सरला जयकुमार जैन** ने दशलक्षण पर्व के 10 व्रतों की तपसाधना की है। आप धार्मिक प्रवृत्ति की सरल स्वभावी महिला है। गोलालारीय दर्शन परिवार आपकी इस धर्म प्रभावना का सम्मान करता है। प्रेषक – आनोद जैन, कानपुर।

बिदाई समारोह

डॉ. पी.सी. जैन ने अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखते हुए सपरिवार बैंगलोर अपने सुपुत्र के पास स्थायी निवास बनाने का निर्णय लिया। गंजबासौदा गोलालारीय समाज के अध्यक्ष शांतिकुमार जैन के नेतृत्व में समस्त पदाधिकारियों व कार्यकारिणी के सभी सदस्यों द्वारा शाल, श्रीफल व फूल मालाओं द्वारा उनका स्वागत सम्मान किया गया। पी.सी. जैन सा. के स्वागत सम्मान में श्री शिखरचंदजी 'शिखर' द्वारा निर्मित एक कविता का पाठ किया गया।

जैन युवा समिति अहमदाबाद द्वारा क्षमावाणी पर्व साआनंद संपन्न

सत्येन्द्र जैन, अहमदाबाद। प्रतिवर्षानुसार इस वर्ष भी वस्वाल अहमदाबाद के जैन युवा समिति के तत्वावधान में गोलालारीय जैन समाज ने क्षमावाणी पर्व आयोजन किया, जिसमें सभी सदस्यों ने पूरे उत्साह से भाग लिया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि श्री हरकिशनजी सिंघई थे। कार्यक्रम में समाज सुधार हेतु विचार, सामूहिक विवाह सम्मेलन विषय पर चर्चा हुई। कार्यक्रम का शुभारंभ मंगलचरण के साथ शुरु हुआ तत्पश्चात विश्व प्रख्यात हाऊजी गेम खिलाया गया जिसमें 200 से ज्यादा लोगों ने भाग लिया। 1 मिनिट में जीतो प्रतियोगिता में काफी बच्चों ने भाग लेकर आनंद लिया। कार्यक्रम में स्वर्ग और नर्क की झांकी की सुंदर नाटिका प्रस्तुत की गयी, जिसका आयोजन श्रीमती अंजना जैन द्वारा किया गया। गोलालारीय जैन समाज की नवीनतम वेबसाइट www.jaingolalariya.org का प्रेजेन्टेशन किया गया। कार्यक्रम का संपूर्ण आयोजन श्री अभयकुमार जैन की अगवानी में किया तथा इसे सफल बनाने में नितेश जैन, संजीव ज्ञानचंद जैन, निलेश जैन, अभिषेक जैन एवं युवा समिति का महत्वपूर्ण सहयोग प्राप्त हुआ।

गंजबासौदा के गोलालारीय जैन समाज संगठन के चुनाव संपन्न

शांतिकुमार जैन

अनिल कुमार जैन

रमेश भंडारी

शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा। नगर में समाज के चुनाव 5 सितम्बर को संपन्न हुये। चुनाव अधिकारी श्री बाबूलालजी श्री नेमीचंदजी (खजराहावाले), श्री अजयकुमारजी शिक्षक व श्री राकेश कुमारजी मानोरिया द्वारा संपन्न कराये गये। अध्यक्ष पद पर श्री शांतिकुमार जैन, कार्याध्यक्ष श्री अनिलकुमार दिवाकीर्ति, कोषाध्यक्ष श्री रमेशचंद भंडारी, महामंत्री श्री शिखरचंद 'शिखर', उपाध्यक्ष श्री दिनेशकुमार 'गुड़ियाजी', श्री सिद्धार्थ जैन 'भुजंग', मंत्री श्री सिद्धार्थ जैन (वकील सा.), विवाह संयोजक श्री संतोषकुमार (झांसीवाले), सांस्कृतिक संयोजक श्री पवन जैन, श्री सुशील जैन, प्रवक्ता श्री नवीन भंडारी, महिला प्रतिनिधि श्रीमती शिल्पा जैन व कार्यकारिणी सदस्य श्री राकेश मानोरिया, श्री राकेश सर्राफ, श्री विपिन जैन, श्री सनत भंडारी, श्री सुरेन्द्रकुमार जैन 'टिल्लू', श्री अशोककुमार वर्द्धमान वाले, श्री सुभाष सिरोंजवाले, श्री सुरेन्द्रकुमार सिरोंजवाले, श्री संजय भंडारी, श्री अनूप जैन, श्री सुनील बरवाईवाले, सभी पदाधिकारियों का चुनाव निर्विरोध संपन्न हुआ।

शिखरचंद 'शिखर'

दिनेशकुमार 'गुड़िया'

सिद्धार्थ जैन 'भुजंग'

सिद्धार्थ जैन

चांदी के विमान में धूमधाम से निकला श्रीजी का चल समारोह

शांतिकुमार जैन, गंजबासौदा। सकल जैन समाज गंज बासौदा के तत्वावधान में पर्यूषण पर्व के समापन पर गाँधी चौक स्थित श्री आदिनाथ दिगम्बर जैन मंदिर द्वारा श्रीजी का चल समारोह ऐलक श्री 105 सिद्धांतसागरजी महाराज के नेतृत्व में महावीर विहार से प्रारंभ हुआ सुबह 8 बजे चल समारोह महावीर विहार से प्रारंभ होकर मुख्य मार्गों से होता हुआ घूसरपुरा जैन मंदिर पर समापन हुआ। चल समारोह में बड़ी संख्या में श्रद्धालुगण उपस्थित थे, जो भजन गाते हुए चल रहे थे। रास्ते में श्रीजी की जगह जगह पर आरती समाजजनों ने की। अपने घरों के बाहर रंगोली बनाई। दि. जैन सोशल ग्रुप गंजबासौदा द्वारा रसना (ठंडा पेय) से स्वागत किया गया। श्रीजी की शोभा यात्रा में वीर सेवा दल के दिव्य घोष द्वारा काफी अच्छा प्रदर्शन किया गया। महिलायें भी अपनी मंडली के साथ भजन गाते हुए चल रही थी। चांदी के विमान में श्रीजी को विराजमान कर श्रद्धालुगण कंधो पर उठाकर चल रहे थे। श्रीजी के आगे कुछ भक्तगण चंवर ढुराते हुये चल रहे थे। चल समारोह के समापन पर ऐलकश्री सिद्धांतसागरजी के मंगल प्रवचन हुये व अंत में क्षमावाणी का विशेष कार्यक्रम संपन्न हुआ व रात्रि 8 बजे गंजबासौदा की सभी जैन पाठशालाओं के बच्चों द्वारा शिक्षाप्रद व रंगारंग सांस्कृति कार्यक्रम हुए।

हमारे प्रेरणास्रोत

स्व. स.सि. श्री नन्दनलालजी जैन 'दिवाकीर्ति'

जन्म 11/4/1936 स्वर्गवास 14/8/2012

याद आपकी आती है
अरू आंखें भर भर जाती हैं
प्रतिदिन स्मरण आपका हम करते हैं
जो मार्ग प्रशस्त किया था आपने
उस मार्ग पर चलने का प्रण आज हम करते हैं।

प्रथम पुण्यतिथि पर शत् शत् नमन

।। श्रद्धावनत् ।।

* अनिल प्रिंटिंग प्रेस, गंजबासौदा (म.प्र.)
* जवाहरलाल नेहरु स्मृति महाविद्यालय परिवार, गंज बासौदा (म.प्र.)
* आदिनाथ शिक्षण महाविद्यालय परिवार, नागपुर (महा.)
* पार्श्वनाथ वेल्ड वायर्स प्रा.लि. नागपुर (महा.)
* नंदन चिल्ड्रन हॉस्पिटल, नागपुर (महा.)

।। श्रद्धांजली ।।

माता पिता की कमी कोई पाट नहीं सकता।
ईश्वर भी इनके आशीषों को काट नहीं सकता।।
दुनियां में किसी भी देवता का स्थान दूजा है।
माता-पिता की सेवा ही सबसे बड़ी पूजा है।।

स्व. श्री हेमचंदजी मोदी

जन्म – 18/09/1934 अवसान – 10/09/2013

पुत्र –
डॉ. राजेश–रानी मोदी
नीलेश–नीतू मोदी
ब्रजेश–प्रीति मोदी

पुत्री –
माधवी–राजेश जैन
कामिनी–अनिल जैन

पोत्र–पोत्री –
अनिमेष मोदी, पुनीत मोदी, अर्पिता मोदी,
अर्चिता मोदी, वैभवी मोदी, देवांशी मोदी, भव्या मोदी

नातिन – खुशी जैन

अनुरोध - आपके नगर में आयोजित कार्यक्रमों की सचित्र जानकारी व किसी भी धार्मिक, सामाजिक कार्यों में अपने समाज सदस्यों की सहभागिता है तो खबर हमारे लिए काफी महत्वपूर्ण है। ऐसी खबरों की सचित्र जानकारी हमें PDF/JPEG के साथ अपना व शहर का नाम लिखकर Email : rajendra.bagoo@gmail.com पर भेजे। यदि आप ओपन फाईल भेजते है तो MS Word फाईल के कृति फान्ट में ही भेजे ताकि समाचार को पत्रिका में शामिल किया जा सके।

बायोडॉटा प्रारूप का विवरण

प्रत्याशी का नवीन फोटो

1. क्रमांक
2. प्रत्याशी का पूरा नाम
3. स्वयं / माता का गोत्र
4. जन्म दिनांक
5. जन्म समय
6. जन्म स्थान
7. शिक्षा
8. कद / वजन
9. वर्ण
10. व्यवसाय
11. वार्षिक आय
12. कुंडली मिलान
13. मंगली
14. पत्र व्यवहार का पता
15. फोन / मोबाईल नं.
16. प्रत्याशी का ईमेल

---

1. 01
2. पियुष प्रेमचंद जैन
3. फणीश/सिंघई
4. 30.03.79
5. 09.20
6. इन्दौर
7. बी.एस.सी, ई कामर्स, टेली
8. 52 कि.
9. गेहुँआ
10. शासकीय नौकरी अध्यापक

11. 3.50 लाख
12. –
13. नहीं
14. डी–5, गुरुकृपा नगर, एरोड्रम नगर इन्दौर
15. 99810–62698, 92037–42681

विशेष – तलाकशुदा (निसंतान)

---

1. 02
2. नितिन महेन्द्रकुमार जैन
3. बिलौआ/म्याने
4. 25.08.88
5. 15.40
6. झाँसी
7. पी.टी.सी., बी.कॉम, एम.कॉम
8. 5'6"
9. गेहुँआ
10. शासकीय सर्विस –टीचर

11. 4.00 लाख
12. हाँ
13. आंशिक
14. 32, न्यू सौराष्ट्र पटेल सोसायटी, शिवानंद के पीछे, नागस्वेल हनुमान रोड़, अमराईवाडी अहमदाबाद–380026
15. 09374767200, 08866572800

---

1. 03
2. अंजली प्रशांत जैन
3. फणीश/पंचरत्न
4. 12.03.92
5. 08.25
6. उज्जैन
7. बी.ए.एफ (फायनल), टेली
8. 5'1"
9. गोरा
10. –

11. –
12. हाँ
13. नहीं
14. सी–113, सोना बिल्डिंग नं.4, देवचंद्र नगर, भाईन्दर वेस्ट, मुंबई
15. 022–28191362 9833586665

---

1. 04
2. अक्षय दिनेशकुमार जैन
3. गनेरिया/पटवारी
4. 24.09.84
5. –
6. दिल्ली
7. बी.टेक (आई.टी.)
8. 5'9"
9. गेहुँआ
10. सर्विस

11. 5.50 लाख
12. –
13. –
14. जी–4, बी–6 भरत अपार्टमेंट, सूर्या नगर जीजेडबी, विवेक विहार के सामने, देहली
15. 09871055971, 72, 9582406366

---

1. 05
2. प्रदीप विनयकुमार जैन
3. वैद्य/पंचरत्न
4. 27.06.87
5. 03.15
6. विदिशा
7. एम.बी.ए मार्केटिंग, इन्दौर
8. 5'7"
9.
10. सर्विस–एयरटेल, दुर्ग

11. 2.40 लाख
12. –
13. –
14. 154/ए.एस.4, स्कीम नं. 78, अरण्य नगर, इन्दौर
15. 9179697777

---

1. 06
2. दीपा सुरेशचंद जैन
3. पंचरत्न/–
4. 18.01.84
5. 18.10
6. नागपुर
7. बी.कॉम, एमबीए
8. 5'3"
9. गोरा
10. –

11. –
12. –
13. आंशिक
14. पंचरत्न भवन, नेहरु पुतला इतवारी, नागपुर–440002
15. 0712–2735723 9423100627, 9960289460

---

1. 07
2. मयूर संतोषकुमार जैन
3. किलेरी/–
4. 18.07.88
5. 12.15
6. अहमदाबाद
7. बी.कॉम, एम.बी.ए.
8. 5'7"/65 कि.
9. गेहुँआ
10. सर्विस– अकाउंट आफिसर

11. –
12. –
13. –
14. बी/33, अजय टीनेमेंट, सेक्शन–2 ईश्वरकृपा सोसायटी, अमराईवाडी–26 अहमदाबाद
15. 09377381217

---

1. 08
2. नितिन राजेन्द्रकुमार जैन
3. पंचरत्न/फणीश
4. 10.10.85
5. 10.15
6. विदिशा
7. बी.ई. कम्प्यूटर सांईस
8. 5'9"
9. गोरा
10. साफ्टवेयर इंजी. बैंगलोर

11. 3.00 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. 117, शिक्षक कालोनी विदिशा – 464001
15. 8720010833

प्राप्त बॉयोडाटा को प्रकाशित करने में हम पूरी सावधानी रखतें हैं, जिन प्रत्याशियों का संबंध हो गया है उनके अभिभावकों से सादर निवेदन है कि वे संबंध की सूचना हमें प्रेषित करें ताकि **''गोलालारीय दर्शन''** के माध्यम से नवदंपत्ति को बधाई संदेश (मय फोटो) प्रेषित किया जा सकें। यदि आप बॉयोडाटा का पुन: प्रकाशन चाहतें है तो निर्धारित शुल्क 150 रु. एवं उपरोक्त प्रारुप के साथ गोलालारीय दर्शन कार्यालय पर भेज सकते हैं।

---

1. 09
2. अंकित जिनेन्द्रकुमार जैन
3. वेद/चढ़ार
4. 21.09.81
5. –
6. इन्दौर
7. आयुर्वेदिक कम्पाउन्डर
8. 5'6"
9. गोरा
10. नौकरी

11. 0.85 हजार
12. –
13. नहीं
14. 25 एलआयजी हाउसिंग बोर्ड कालोनी जयप्रकाश नगर, सनसिटी2 के पास देवास
15. 07272–258413, 9630287941

---

1. 10
2. प्रियंका संतोष जैन
3. जमोरया/फणीश
4. 29.03.88
5. 19.55
6. विदिशा
7. एम.एस.सी, एप्लाइड केमिस्ट्री
8. 5'3"
9. गेहुँआ
10. सर्विस– फार्मा कं., पीथमपुर

11. –
12. हाँ
13. आंशिक मंगल
14. 318, फेस–1, अरिहंत विहार, विदिशा
15. 07592–232308 9993966833

---

1. 11
2. अतुल आनंदकुमार जैन
3. किलेरी/वैद्य
4. 27.09.85
5. 12.20
6. विजयपुर (श्योपुर)
7. बी.ई. कम्प्यूटर सांईस
8. 5'7"
9. गोरा
10. साफ्टवेयर इंजी. सूरत

11. 3.50 लाख
12. –
13. –
14. 202, संयम एवेन्यु, महावीर नगर इन्दौर
15. 9425450477

---

1. 12
2. आलोक संतोष कुमार जैन
3. सिंघई/दिवाकिर्ती
4. 14.07.82
5. 14.25
6. –
7. बी.एस.सी, एम.सी.एस.ई.
8. 5'3"
9. गोरा
10. सर्विस – मुंबई

11. 5.00 लाख
12. हाँ
13. –
14. सी–2, टाईप– III, जल निगम कालोनी, ग्वालियर रोड़, झांसी
15. 0510–2380484 94253120738

---

1. 13
2. अभिलाष राकेश जैन
3. वैद्य/म्याने
4. 9.11.87
5. 19.50
6. खरगोन
7. हायर सेकेण्डरी
8. 5'4"/54 कि.ग्रा.
9. गोरा
10. मोबाइल रिपेयरिंग शॉप

11. 4.00 लाख
12. नहीं
13. नहीं
14. जे.–10, श्री कैवर कालोनी एक्सटेंशन बड़वाह जिला खरगोन
15. 9479445945 07280–222855

---

1. 14
2. अंशुल अनिलकुमार जैन
3. पंचरत्न/बिलौआ
4. 20.1.86
5. 21.03
6. भोपाल
7. बी.ई. (कम्प्यूटर), एमबीए
8. 5'8"/82 कि.
9. गेहुँआ
10. सर्विस–आदित्य बिडला, मुंबई

11. 5.80 लाख
12. हाँ
13. नहीं
14. 355, स्कीम नं. 103 केशर बाग रोड़, इन्दौर
15. 9826352415, 9425965677

दिगम्बर 2013 का आगामी अंक 'विवाह योग्य प्रत्याशी विशेषांक' के संपर्क सूत्र–

अमहदाबाद – श्रेयांस धर्मसैया 9426544317, सत्येन्द्र जैन 9099013660, **भोपाल** – श्री धन्यकुमार जैन 9425360945, प्रदीप जैन 9826011191, **विदिशा**– कन्छेदीलाल जैन 9229670194, **गंजबासौदा**– शांतिकुमार जैन 9425149105, **बीना** – संजय जैन 9039750233, **ललितपुर** – अरविन्द जैन 9889744895, शैलेश जैन 'पिन्टू' 9795211740, **झांसी** – राजेश जैन 9415031709, **पन्ना** – अभिषेक जैन 9407348790, **देवेन्द्र नगर** – डॉ. प्रमोद जैन 9425168305, **ब्रजपुर** – मनोजकुमार जैन 9753484027, **टीकमगढ़** – अंकित जैन 'एडवोकेट' 9893679731, महेन्द्र जैन 9165281515, **जबलपुर** – अरविन्द जैन 9827393509, जयकुमार जैन 9425153572, **ग्वालियर** – नेमीचंद जैन 9039134953, राजमल जैन 9425364407, **छतरपुर** – अनिल जैन 9425879777, **नागपुर** – प्रकाशचंद जैन 9422113974, **सागर** – पंकज जैन 9425452127, **डिण्डोरी** – राजीव जैन 9575656843, **करैरा** – प्रमोद जैन 9425765630, **बाकल** – पुष्पेन्द्र जैन 9755186909, **भिण्ड** – राजकुमार 9425130197, **कानुपर** – अनूप जैल 9415484233, **मंडला** – अनिल जैन 9300313000, **डोंगरगढ़** – निर्मलकुमार जैन 9755681144, **रायपुर** – रमेशचंद जैन 7587776953, **राजनाथगांव** – व्ही.एम. जैन एडव्होकेट 9300733711 इसके अतिरिक्त आप गोलालारीय दर्शन, 64 न्यू देवास रोड़ पर बायोडाटा सशुल्क भेज सकते है।

तीर्थक्षेत्रों के पदाधिकारियों की बैठक संपन्न

विशाल जैन पवा , तालबेहट (ललितपुर) । मोक्ष सप्तमी के पावन पर्व पर सिद्धक्षेत्र पावागिरीजी में उत्तर प्रदेश उत्तराखंड तीर्थ क्षेत्र कमेटी के तत्वावधान में बुंदेलखंड की धरा पर स्थित तीर्थक्षेत्रों के पदाधिकारियों की बैठक संपन्न हुई, जिसमें विचार गोष्ठी के माध्यम से तीर्थक्षेत्रों की सुरक्षा संरक्षण एवं संवर्द्धन हेतु आवश्यकताओं पर विस्तार से चर्चा की गयी। वक्ताओं ने यात्रियों को हर संभव सुविधाएँ प्रदान करने, कर्मचारियों को उचित वेतन देने, क्षेत्रों की साफ सफाई एवं स्वच्छता का विशेष ध्यान रखने पर बल दिया। बैठक को सफल बनाने में श्रीमती सरिता जैन, शैलेन्द्र जैन, विजयकुमार नवनीत जैन, वीरजी पवन जैन प्रकाशचंद्र एडवोकेट सुभाषचन्द्र जैन सुंदरलाल अनौरा शिखरचंद्र जैन ताराचंद्र खनियाधाना ज्ञानचंद्र पुरा राजकुमार पवा जयकुमार कंधारी प्रेमचन्द्र नयाखेड़ा अरुण बुखारिया सिंघई सुमत कुमार राकेश मोदी आदि प्रमुख रहे। संचालन प्रवीन जैन झाँसी ने किया।

।। विनम्र श्रद्धांजली ।।

सेठ रामचरण जैन

अवसान दिनांक 15 अगस्त 2013

।। शोकाकुल ।।

अशोक जैन (पुत्र)

राष्ट्रीय कोषाध्यक्ष - दयोदय महासंघ, अध्यक्ष- भारतीय गौवंश रक्षण एवं संवर्धन परिषद

श्रीमती आशादेवी जैन (पुत्रवधु)

पार्षद-वार्ड 67, नगर निगम, भोपाल

निर्मल जैन (पुत्र) - सुमन जैन (पुत्रवधु)

पुत्री-दामाद -

मोहिनी-प्रदीप भंडारी, सरोज-अभय, प्रभा-अरूण

पौत्र-पौत्री -

ज्योति-पुनीत, चंचल-डॉ. प्रशांत, डॉली-अमित, एकता-अरिहंत

।। फर्म ।।

* शान्ति सीड्स प्रा. लि. * आदिनाथ बिल्डर्स एण्ड डेव्हल्पर्स * श्री शांति एग्रो सेल्स

* शांति सेल्स कार्पोरेशन * पार्श्वनाथ बिल्डर्स एण्ड डेव्हल्पर्स

* ओम शांति मोटर्स * शांतिनाथ बिल्डर्स एण्ड डेव्हल्पर्स

फोन : 9826082515, 9302143055, 9893055807, 9893038935

पत्रिका में प्रकाशित विचार लेखकों के अपने है, सम्पादक मण्डल का इससे सहमत होना आवश्यक नहीं है । किसी भी प्रकार का विवाद होने पर न्याय क्षेत्र इन्दौर रहेगा ।

स्वामी श्री गोलालारीय दिगम्बर जैन समाज न्यास के लिए प्रकाशक, मुद्रक बाहुबली जैन द्वारा प्रकाशित प्रतीक्षा ग्राफिक्स127, देवी अहिल्या मार्ग इन्दौर से मुद्रित एवं ग्राफिक्स ज़ील कम्प्यूटर एंड ग्राफिक्स 356, तिलक नगर श्री गोलालारीय दि. जैन समाज न्यास, 64, न्यू देवास रोड़, इन्दौर (म.प्र.) से प्रकाशित